राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार, 22 अगस्त 2022 वर्ष–5,अंक–205 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजू श्रीवास्तव के ब्रेन में फैला संक्रमण पूरी तरह खत्म

कानपुर। राजू श्रीवास्तव की हालत अब डॉक्टर्स के कंट्रोल में है। ब्रेन में फैले संक्रमण को पूरी तरह खत्म कर दिया गया है। डॉक्टर्स अब फोरब्रेन पार्ट (दिमाग के अगले हिस्से) में ऑक्सीजन सप्लाई करने में जुटे हैं। इसके लिए देश के बेस्ट डॉक्टर्स से कंसल्ट किया जा रहा है। उनकी हालत अब पहले से बेहतर बनी हुई है। ये जानकारी राजू के निजी सचिव गर्वित नारंग ने दी है।

सीएम योगी ने OSD को दिल्ली भेजा

गर्वित नारंग के मुताबिक, सीएम योगी ने अपने ह्रस्ष्ठ को दिल्ली भेजा है। वे रविवार को एम्स दिल्ली पहुंचकर राजू के परिजनों से मिलेंगे और उनका हालचाल लेंगे। वहीं, इलाज में लगे डॉक्टर्स से भी वे बातचीत कर मुख्यमंत्री को हेल्थ अपडेट देंगे।

यूरिन और मोशन पास हो रहे-राजू को यूरिन और मोशन पास हो रहे हैं। उन्हें दूध के अलावा फिर से जूस भी देना शुरू कर दिया गया है। राजू की सेहत को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय यानी पीएमओ से भी लगातार अपडेट लिया जा रहा है। उनकी बॉडी में फिलहाल पहले के मुकाबले मूवमेंट थोड़ा कम है। डॉक्टर्स का पूरा फोकस अब उन्हें होश में लाने में है। बीपी कंट्रोल में है, लेकिन वेंटीलेटर अब भी लगा हुआ है। राजू श्रीवास्तव के फैन्स उज्जैन में भी उनकी लंबी उम्र के लिए प्रार्थनाएं कर रहे हैं। उज्जैन के महाकाल मंदिर में शनिवार को राजू के लिए महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया गया। शहर के हास्य कवि दिनेश दिग्गज महाकाल मंदिर में राजू की फोटो लेकर पहुंचे। उन्होंने गर्भगृह में फोटो रखकर राजू के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। कायस्थ समाज के मंगेश श्रीवास्तव ने राम रामेश्वर महादेव मंदिर में पं. सतीश शर्मा से महामृत्युंजय मंत्र जाप करवाया। कानपुर में राजू के छोटे भाई काजू की पत्नी श्रेया, उनकी भतीजी तनु ने संकट मोचन मंदिर में पौधा लगाकर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

ये क्या नौटंकी है मोदी जी...लुकआउट सर्कुलर पर भड़के सिसोदिया, कहा- मैं दिल्ली में खुलेआम घूम रहा हूं

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई ने लुकआउट नोटिस जारी किया है। इस नोटिस की प्रतिक्रिया में मनीष सिसोदिया ने अपने ट्विटर पर लिखा है कि आपकी सारी रेड फेल हो गयी, कुछ नहीं मिला।

नई दिल्ली। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई ने लुकआउट नोटिस जारी किया है। इस नोटिस की प्रतिक्रिया में मनीष सिसोदिया ने अपने ट्विटर पर लिखा है कि आपकी सारी रेड फेल हो गयी, कुछ नहीं मिला, एक पैसे की हेरा फेरी नहीं मिली, अब आपने लुकआउट नोटिस जारी किया है कि मनीष सिसोदिया मिल नहीं रहा है। ये क्या नौटंकी है मोदी जी? मैं खुलेआम दिल्ली में घूम रहा हूं, बताइए कहां आना है? आपको मैं मिल नहीं रहा?

सिसोदिया ने कहा- 2024 में जनता मोदी को देगी 'लुक आउट नोटिस'

मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री यह सोचते रहते हैं कि आज किसके खिलाफ 'लुक आउट नोटिस' सर्कुलर जारी करना है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि आज देश को ऐसे नेता की तलाश है जो महंगाई और बेरोजगारी का समाधान दे सके, जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2024 में 'लुक आउट नोटिस' देगी।

डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया सहित 15 लोगों के खिलाफ एजेंसी ने केस दर्ज किया है। दरअसल, सिसोदिया पर भ्रष्टाचार का मामला दर्ज करने से पहले सीबीआई ने राष्ट्रपति से पूर्व अनिवार्य मंजूरी हासिल कर ली थी। इसकी जानकारी मामले से जुड़े लोगों ने दी है।

क्या है पूरा मामला

दिल्ली में आबकारी घोटाले की जांच कर रही सीबीआई ने शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर और आबकारी अफसरों से जुड़े 31 स्थानों पर छापेमारी की थी। सूत्रों ने छापे में गोपनीय दस्तावेज मिलने का दावा किया है। इससे पहले बुधवार को एजेंसी ने मनीष सिसोदिया को मुख्य आरोपी बनाते हुए कुल 15 के खिलाफ धारा 120बी, 477ए आदि के तहत केस दर्ज किया था।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री यह सोचते रहते हैं कि आज किसके खिलाफ 'लुक आउट नोटिस' सर्कुलर जारी करना है, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि आज देश को ऐसे नेता की तलाश है जो महंगाई और बेरोजगारी का समाधान दे सके, जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 2024 में 'लुक आउट नोटिस' देगी।

यूपी के 40 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, येलो अलर्ट जारी

नई दिल्ली। देशभर के कई हिस्सों में झमाझम बारिश देखने को मिल रही है। बारिश की वजह से कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) ने आज भी कई इलाकों में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। बंगाल की खाड़ी पर बना निम्न दबाव और प्रभावी हो गया है। इसके कारण ओडिसा, छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कई इलाकों तेज बारिश होने का पूर्वानुमान है। इसके साथ ही राजस्थान में भी बारिश की संभावना है। वहीं उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में कई इलाकों में बारिश होगी। इसके साथ ही दिल्ली, पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में भी वर्षा की संभावना है।

इन राज्यों में भारी बारिश के आसार

स्काईमेट वेदर के मुताबिक आज दक्षिण झारखंड, छत्तीसगढ़ और पूर्वी और मध्य मध्य प्रदेश में मध्यम से भारी बारिश संभव है। आंतरिक ओडिशा, दक्षिण उत्तर प्रदेश, कोंकण और गोवा, मध्य प्रदेश के शेष हिस्सों और पूर्वी राजस्थान में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। पश्चिमी हिमालय और विदर्भ में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

इन राज्यों में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना–स्काईमेट वेदर के मुताबिक गंगीय पश्चिम बंगाल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, केरल, तटीय कर्नाटक, मध्य महाराष्ट्र और बिहार के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों, गुजरात, तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश और ओडिशा के शेष हिस्सों में हल्की बारिश संभव है। दिल्ली, पंजाब और हरियाणा में एक या दो जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है।

यूपी के 40 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, येलो अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने रविवार को पश्चिम यूपी से लेकर पूर्वांचल, अवध और बुंदलेखंड के करीब 40 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग ने सभी जिलों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है।

तेजस्वी ने राजद के मंत्रियों के लिए जारी किए दिशा-निर्देश

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कोटे से मंत्री बने मंत्रिमंडल में अपने सहयोगियों के लिए दिशा-निर्देशों की एक सूची जारी की है। तेजस्वी के इस कदम को स्पष्ट रूप से अपनी पार्टी की छवि बदलने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। राजद नेता ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर यह दिशा-निर्देश जारी किए। तेजस्वी ने बिहार सरकार में राष्ट्रीय जनता दल के कोटे से मंत्री बने पार्टी नेताओं को विभाग में अपने लिए कोई नया वाहन नहीं खरीदने का निर्देश दिया है। मंत्रियों को कहा गया है कि वे इस बात का ध्यान रखें कि वह उनसे मिलने आने वाले आयु में उनसे बड़े कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों, समर्थकों अथवा किसी भी अन्य व्यक्ति को पांव नहीं छूने देंगे। शिष्टाचार और अभिवादन के लिए हाथ जोड़कर प्रणाम, नमस्ते व आदाब की परंपरा को ही बढ़ावा देंगे। तेजस्वी ने कहा, नमस्ते या आदाब के साथ ही अभिवादन का आदान-प्रदान किया जाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने मंत्रियों के लिए यह निर्देश ऐसे समय में जारी किए हैं जब कई मंत्रियों के

खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों को लेकर उनकी पार्टी विपक्ष की आलोचना का सामना कर रही है। तेजस्वी ने सभी मंत्रियों से आग्रह किया है कि उनका सभी के साथ सौम्य और शालीन व्यवहार हो तथा बातचीत सकारात्मक रहे। मंत्रियों को निर्देश दिया गया है कि वे सादगी से पेश आते हुए सभी जातियों और धर्मों के गरीब एवं जरुरतमंद लोगों की प्राथमिकता के आधार पर मदद करेंगे। राजद नेताओं से कहा गया है कि वे किसी से भेंट स्वरूप गुलदस्ता लेने-देने के स्थान पर किताबों और कलमोंके आदान-प्रदान को बढ़ावा दें। तेजस्वी ने कहा कि मंत्री सभी विभागीय कार्यों में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ईमानदारी, पारदर्शिता, तत्परता और त्वरित क्रियान्वयन की कार्यशैली को बढ़ावा दें। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभीमंत्रीगण मुख्यमंत्री बिहार सरकार एवं अपने अधीनस्थ विभागों, कार्य योजनाओं और विकास कार्यों का सोशल मीडिया पर लगातार प्रचार-प्रसार करेंगे ताकि जनता को सरकार की प्रत्येक पहल की सकारात्मक जानकारी प्राप्त हो सके। भारतीय जनता पार्टी की बिहार इकाई के प्रवक्ता निखिल आनंद ने इस पर कटाक्ष करते हुए एक वक्तव्य में कहा, ÷पटकथा अच्छी तरह से लिखी गई है। लेकिन पढ़ने-समझने वाला कौन है। बहरहाल, बिहार के हित में हम मंत्रियों से अपील करते हैं कि तेजस्वी भाई की सलाह पर ध्यान दें।

प्रधानमंत्री ने अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री खांडू को जन्मदिन की दी बधाई

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री राज्य को बदलने और अपने युवाओं को सशक्त बनाने के अथक प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा- अरुणाचल प्रदेश के युवा और गतिशील मुख्यमंत्री पेमा खांडू जी को जन्मदिन की बधाई। उनके नेतृत्व में राज्य का चहुंमुखी विकास हो रहा है।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके दीर्धायु और स्वस्थ्य जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री राज्य को बदलने और अपने युवाओं को सशक्त बनाने के अथक प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा- अरुणाचल प्रदेश के युवा और गतिशील मुख्यमंत्री पेमा खांडू जी को जन्मदिन की बधाई। उनके नेतृत्व में राज्य का चहुंमुखी विकास हो रहा है। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना करते हैं। पेमा खांडू का जन्म 21 अगस्त, 1979 को अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में हुआ था। वर्तमान में वह देश के सबसे युवा मुख्यमंत्री हैं। पेमा खांडू अरुणाचल में बेहद लोकप्रिय हैं।

दिल्ली पुलिस ने किया एक्सटॉर्शन करने वाले गैंग का भांडाफोड़, चीन भेजा जा रहा था पैसा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आज एक त्वरित ऋण आवेदन और जबरन वसूली रैकेट का भंडाफोड़ किया है। बताया जा रहा है कि एकत्रित किए गए डाटा को चीन और हांगकांग में स्थित सर्वर पर अपलोड किया जा रहा था। दिल्ली पुलिस के मुताबिक इसमें चीनी नागरिकों की भी संलिप्तता सामने आई है। पुलिस का दावा यह भी है कि क्रिप्टो करेंसी के जरिए चीन को पैसा भेजा जा रहा था। दिल्ली पुलिस के डीजीपी केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि इस मामले में अब तक 22 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इन 22 आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए देश के अलग-अलग हिस्सों में पिछले 2 महीने से छापेमारी की जा रही थी। जिन जगहों पर छापेमारी की गई थी उनमें दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश

और बिहार शामिल है। पुलिस की कार्रवाई के बाद इस काम में लगे कॉल सेंटर को पाकिस्तान, नेपाल और बांग्लादेश स्थानांतरित करने का भी एक नया चलन देखने को मिला है। दिल्ली पुलिस ने बताया है कि गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। आरोपियों ने बताया है कि वे चीनी नागरिकों के इशारे पर काम कर रहे थे। आगे की जांच जारी है। फिलहाल इन आरोपियों के पास से 9 लैपटॉप, 25 हार्ड डिस्क, 51 मोबाइल फोन, 19 डेबिट कार्ड बरामद किए गए हैं। इस खेल के लिए चीन के कुछ नागरिकों ने 100 से अधिक ऐप बनाए थे। इन्हीं ऐप के जरिए लोगों को तुरंत लोन देने का झांसा दिया जाता था। पीड़ितों से उनकी कांटेक्ट लिस्ट, चैट, इमेज इत्यादि महत्वपूर्ण डाटा भी मांगे जाते थे। इन डाटा को चीन या हांगकांग भेज दिया जाता था। बाद में पीड़ितों के फोटो के साथ छेड़छाड़ कर उनसे ब्लैकमेल कर वसूली भी की जाती थी। पुलिस के मुताबिक अब तक 500 करोड़ से अधिक की रकम चीन को भेज दी गई है। यह सभी क्रिप्टो करेंसी के जरिए भेजी गई है। यह धंधा काफी लंबे समय से चल रहा था। नेशनल क्राईम रिर्पोटिंग पोर्टल पर भी इस तरह की वसूली की साइकिल शिकायतें मिली है। लोगों ने यह भी बताया है कि लोन चुकाने के बाद उनके मोबाइल से फोटो चोरी कर उनको अश्लील बनाकर बाद में उन्हें ब्लैकमेल किया जाता था। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच बारीकी से कर रही है। पुलिस ने एप्लीकेशन के साथ-साथ कॉल डिटेल और बैंक खातों की भी जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि 1 दिन में एक करोड़ की रकम वसूली के जरिए आ जाती थी। इनका रैकेट देश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार काम कर रहा था।

हिमाचल में भारी बारिश का कहर, अब तक 19 लोगों की मौत, सीएम बोले- मृतकों के परिवार को दिया जाएगा मुआवजा

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में भारी बारिश के कारण जान-माल का नुकसान होने वाली सूचनाएं मिलने से बहुत दुःखी हूं। हमने राज्य के सभी जिला प्रशासनों को राहत एवं बचाव कार्य के आदेश दे दिए हैं। स्थानीय प्रशासनों द्वारा संबंधित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में लगातार भारी बारिश का कहर देखने को मिल रहा है। भारी बारिश की वजह से आई बाढ़ और भूस्खलन की अलग-अलग घटनाओं में अब तक 19 लोगों की मृत्यु हो गई है। अभी भी 6 लोग लापता बताए जा रहे हैं। खुद इस बात की जानकारी हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने दी है। जयराम ठाकुर ने बताया कि कल से हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण बहुत जान-माल का नुकसान हुआ है। अब तक 19 लोगों की मृत्यु हुई है। 6 लोग लापता हैं। मृतकों के परिवार को सरकार की तरफ से मुआवजा दिया जाएगा और उनकी पूरी मदद की जाएगी। इसके साथ ही हमीरपुर जिले में आई बाढ़ के बाद फंसे 22 लोगों को निकाला गया है और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है। जयराम ठाकुर ने यह भी बताया कि विभिन्न स्थानों पर सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। मैंने जिला प्रशासकों को सड़क संपर्क बहाल करने

का निर्देश दिया है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में भारी बारिश के कारण जान-माल का नुकसान होने वाली सूचनाएं मिलने से बहुत दुःखी हूं। हमने राज्य के सभी जिला प्रशासनों को राहत एवं बचाव कार्य के आदेश दे दिए हैं। स्थानीय प्रशासनों द्वारा संबंधित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य युद्धस्तर पर किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान की जाएगी। प्रदेशवासियों से मैं पुनः विनम्र आग्रह करना चाहूंगा कि भूस्खलन संभावित क्षेत्रों, नदी-नालों के करीब न जाएं और अनावश्यक यात्रा से बचें। ऐसी स्थिति में सरकार व प्रशासन का सहयोग करें। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में कई जगहों पर आई प्राकृतिक आपदा से हुई जनहानि का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी संवेदनाए पीड़ित परिजनों के साथ है। शासन प्रशासन युद्ध स्तर पर राहत एवं बचाव कार्य पर जुटे हुए हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान दे। कांगड़ा जिले में चक्की पुल के ढह जाने के बाद जोगिंदर नगर एवं पठानकोट मार्ग के बीच ट्रेन सेवा निलंबित कर दी गई। चंबा जिले में बारिश के कारण भूस्खलन होने के बाद एक मकान के ढह जाने से तीन लोगों की मौत हो गई। चंबा जिला आपातकालीन अभियान केंद्र (डीईओसी) ने बताया कि चौवारी तहसील के बनेत गांव में शनिवार तड़के करीब साढ़े चार बजे भूस्खलन हुआ, जिसके बाद मकान ढह गया और तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मंडी जिले में भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ और भूस्खलन से एक लड़की की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य लोगों के भी मारे जाने की आशंका है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, मंडी में शुक्रवार रात मंडी-कटोला-पराशर मार्ग पर बाघी नाले में एक लड़की का शव उसके घर से करीब आधा किलोमीटर दूर बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि बाढ़ में लड़की के परिवार के पांच सदस्यों के भी बह जाने की सूचना है। विभाग के अनुसार, बादल फटने के बाद कई परिवारों ने बागी से पुराने कटोला क्षेत्र के बीच स्थित अपने घरों को छोड़ दिया और सुरक्षित स्थानों पर शरण ली।

संपादकीय

तेजस्वी यादव की नई पहल

फिलहाल तेजस्वी ने अपने मंत्रियों से कहा है कि वे बुजुर्गों से अपने पांव छुआना बंद करें। उन्हें खुद नमस्कार करें। हमारे देश में अपने से बड़ों के पांव छूने की जो परंपरा है, दुनिया के किसी भी देश में नहीं है।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

बिहार के उप-मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने अपने दल के मंत्रियों के लिए एक नई आचार-संहिता जारी की है, जो मेरे हिसाब से अधूरी है लेकिन बेहद सराहनीय है। सराहनीय इसलिए कि हमारे नेता ही देश में भ्रष्टाचार के सबसे बड़े स्त्रोत हैं। यदि उनमें आचरण की थोड़ी-बहुत शुद्धता शुरु होने लगे तो धीरे-धीरे भारतीय राजनीति का शुद्धिकरण काफी हद तक हो सकता है। फिलहाल तेजस्वी ने अपने मंत्रियों से कहा है कि वे बुजुर्गों से अपने पांव छुआना बंद करें। उन्हें खुद नमस्कार करें। हमारे देश में अपने से बड़ों के पांव छूने की जो परंपरा है, दुनिया के किसी भी देश में नहीं है। जापान में कमर तक झुकने, अफगानिस्तान में गाल पर चुम्मा जमाने और अरब देशों में एक-दूसरे के गालों को छुआने की परंपरा मैंने देखी है लेकिन अपने भारत की इस महान परंपरा को सत्ता, पैसा, हैसियत और स्वार्थ के कारण लोगों ने शीर्षासन करवा रखा है। देश के कई वर्गो के लोगों को मैंने देखा है कि वे अपने से उम्र में काफी बड़े लोगों से अपना पांव छुआने में जरा भी संकोच नहीं करते बल्कि वे इस ताक में रहते हैं कि बुजुर्ग उनके पांव छुएं तो उनके बड़प्पन का सिक्का जमे। बिहार और उत्तरप्रदेश में तो मंत्रियों, सांसदों और साधुओं के यहां ऐसे दृश्य अक्सर देखने को मिल जाते हैं। तेजस्वी यादव इस कुप्रथा को रूकवा सकें तो उन्हें यह बड़ा नेता बनवा देगी। तेजस्वी ने दूसरी सलाह अपने मंत्रियों को यह दी है कि वे आगंतुकों से उपहार लेना बंद करें। उनकी जगह कलम और किताबें लें। कितनी अच्छी बात है, यह? लेकिन नेता उन किताबों का क्या करेंगे? किताबों से अपने छात्र-काल में दुश्मनी रखनेवाले ज्यादातर लोग ही नेता बनते हैं। तेजस्वी की पहल पर अब वे कुछ पढ़ने-लिखने लगें तो चमत्कार हो जाए। वरना होगा यह कि वे किताबें भी अखबारों की रद्दी के साथ बेच दी जाएंगी। डर यह भी है कि अब मिठाई के डिब्बों की बजाय किताबों के डब्बे मंत्रियों के पास आने लगेंगे और उन डिब्बों में नोट भरे रहेंगे। तेजस्वी ने तीसरी पहल यह की है कि मंत्रियों से कहा है कि वे अपने लिए नई कारें न खरीदवाएं। यह बहुत अच्छी बात है। लेकिन यह काफी नहीं है। तेजस्वी चाहें तो नेताओं के आचरण को आदरणीय और आदर्श भी बनवाने की प्रेरणा दे सकते हैं। पहला काम तो वे यह करें कि सांसदों और विधायकों की पेंशन खत्म करवाएं। दूसरा, उन्हें सरकारी मकानों में न रहने दें। अब से 50-55 साल पहले वाशिंगटन में मैं 45 डॉलर महिने के जिस कमरे में रहता था, उसी के पास तीन कमरों में अमेरिका के कांग्रेसमेन और सीनेटर भी किराये पर रहते थे। तेजस्वी खुद बंगला छोड़ें तो बाकी मंत्री भी शर्म के मारे भाग खड़े होंगे। हमारी राजनीति को यदि भ्रष्टाचार से मुक्त करना है तो हमारे नेताओं को अचार्य कौटिल्य और यूनानी विद्वान प्लेटो के 'दार्शनिक राजाओं' के आचरण से सबक लेना चाहिए। नरेंद्र मोदी ने प्रधानमंत्री की शपथ ली, तब कहा था कि वे देश के 'प्रधान सेवक' हैं। तेजस्वी इस कथन को ठोस रूप देकर क्यों न दिखाएं? यदि वे ऐसा कर सकें तो पिछड़ा हुआ बिहार भारत-गुरु बन जाएगा।

कार्टून

धर्म

संगत का असर

संत राजिन्दर

इंसान किस किस्म की संगत रखता है, उसका बहुत बड़ा असर इंसान के ऊपर होता है। जिंदगी में कई बार ऐसी घटनाएं होती हैं जिनमें हम देखते हैं कि एक ही घराने के बच्चे जब अलग-अलग माहौल में जी रहे होते हैं, तो उनका चरित्र, उनके बातचीत करने का तरीका, उनके खयालात, सब अलग-अलग होने शुरू हो जाते हैं। महापुरुष हमें समझाते हैं कि हम अच्छी संगत रखें। दोस्ती उन लोगों से करें जिनके खयालात शुद्ध हों, पवित्र हों। महापुरुष हमें बार-बार समझाते हैं कि हम अपनी संगत अच्छी रखें। अच्छे लोगों के बीच रहने का एक अलग ही असर रहता है। ऐसे लोगों के साथ जियें, ऐसे लोगों के साथ अपना समय व्यतीत करें, जिनका ध्यान प्रभु की ओर हो। जब उनकी संगत में रहेंगे, तो हमारे विचार भी उसी किस्म के हो जाएंगे और हमारा ध्यान भी प्रभु की ओर लगता जाएगा। अगर उन लोगों की संगत की जिनका ध्यान दुनिया की ओर है, तो हमारा ध्यान भी प्रभु से हटकर उस ओर होना शुरू हो जाएगा। तो यह हम पर निर्भर करता है कि हम कैसी संगत रखें, किस से दोस्ती रखें, और किस माहौल में जियें। कई बार इंसान सोचता है कि मैं अपना माहौल नहीं बदल सकता, लेकिन महापुरुष हमें समझाते हैं कि हम अपने साथ जुड़े पूर्व कर्मों को तो नहीं बदल सकते, परंतु हमारी पच्चीस प्रतिशत जिंदगी हम पर निर्भर करती है। अगर हम अच्छी तरफ कदम उठाएंगे, तो प्रभु की नजदीकी पाएंगे और अगर हमारे कदम अच्छी ओर नहीं उठे, तो हमारी जिंदगी और अधिक खराब होती चली जाएगी। इसीलिए समझाया जाता है कि हम अपनी संगत अच्छी करें। जब हम महापुरुषों की जिंदगी को देखते हैं, तो उनके अंग-संग जो माहौल होता है, उसमें ध्यान हर समय प्रभु की ओर जाता है। क्योंकि वे चाहते हैं कि हम प्रभु को जानें, हम प्रभु को पाएं, हमारी आत्मा का मिलन परमात्मा के साथ हो। हम जितना ज्यादा ध्यान प्रभु की ओर करेंगे, उतना ही हमें उनके पास पहुंचने में आसानी होगी। जिस ओर हम ध्यान देते हैं, वैसे ही बन जाते हैं। संगत अच्छी होने से हमारा ध्यान आसानी से प्रभु की ओर लग जाता है। इसीलिए संगत अच्छी रखना बहुत जरूरी है।

पश्चिमी एशिया में गठजोड़ से भारतीय हित

जी. पार्थसारथी

यही वजह है कि आगे चलकर बाइडेन ने युवराज सलमान पर तल्ख टिप्पणी करते हुए तुर्की के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में उनकी कथित भूमिका का आरोप लगाया। इन मतभेदों के बावजूद सऊदी अरब और अमेरिका को एक-दूजे की बहुत जरूरत है क्योंकि वैश्विक ऊर्जा मामलों में सऊदी अरब की भूमिका बहुत महत्ती है। इसलिए बाइडेन के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं था कि उन्हें सुधारवादी सोच रखने वाले और दृढ़निश्चयी युवराज सलमान का सम्मान रखना पड़ा और वार्ता भी की।

इलाकाई दावों को लेकर दबंग होता चीन और उसके पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते तनावों एवं प्रतिद्वंद्विता वाले माहौल के मद्देनजर समूचे हिंद और प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सहयोग को लेकर नए-नए गठजोड़ उभर रहे हैं। पिछले कुछ सालों में सबसे अधिक ध्यान देने योग्य घटनाक्रम में 'क्वाड' गुट का उद्भव है। लेकिन एकदम हाल में जिस नई घटना से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी हैरानी हुई है, वह है नवसंगठन, जिसे आमतौर पर आई2यू2 कहा जा रहा है। इसके सदस्यों में भारत के अलावा इस्राइल, युनाइटेड अरब अमीरात और युनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका हैं। औपचारिक रूप से इसका गठन 14 जुलाई, 2022 को हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन इस्राइल और सऊदी अरब की यात्रा पर आए। कोई आश्चर्य नहीं कि बाइडेन की सऊदी अरब की फेरी ठंडी और औपचारिक स्तर पर रही, क्योंकि बाइडेन और युवराज सलमान के बीच संबंध बहुत ज्यादा गर्माहट भरे या निजी तौर पर दोस्ताना नहीं हैं। यही वजह है कि आगे चलकर बाइडेन ने युवराज सलमान पर तल्ख टिप्पणी करते हुए तुर्की के पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या में उनकी कथित भूमिका का आरोप लगाया। इन मतभेदों के बावजूद सऊदी अरब और अमेरिका को एक-दूजे की बहुत जरूरत है क्योंकि वैश्विक ऊर्जा मामलों में सऊदी अरब की भूमिका बहुत महत्ती है। इसलिए बाइडेन के पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं था कि उन्हें सुधारवादी सोच रखने वाले और दृढ़निश्चयी युवराज सलमान का सम्मान रखना पड़ा और वार्ता भी की। अरब जगत में अमेरिका की भूमिका पहले की भांति अभी भी केंद्रीय बनी हुई है, सऊदी और यूएई सहित समूची फारस की खाड़ी के अनेकानेक तेल-संपन्न अरबी मुल्कों को वह आधुनिक हथियार और तकनीक मुहैया करवा रहा है। इसके अलावा, बहरीन में अमेरिका के पांचवें नौसैन्य बेड़े का अड्डा है। बाइडेन की इस्राइल की यात्रा के दौरान एक महत्वपूर्ण घटना आई2यू2 का पहला शिखर सम्मेलन होना है। अलबत्ता बाइडेन ने यह ख्याल रखा कि फिलीस्तीनी नेतृत्व से भी अलग से भेंट की और 15 जुलाई को यह मुलाकात हुई। बाइडेन प्रशासन की प्राथमिकताओं में एक मुख्य अवयव भारत के साथ सहयोग बनाते हुए हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र, खासकर हिंद महासागर में नौवहनीय और तेल आपूर्ति मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पश्चिमी मीडिया की खबरों के मुताबिक, आई2यू2 गुट बनाने की जरूरत उस वक्त उभरी जब वाशिंगटन में यूएई के राजदूत युसुफ अल ओताएबा द्वारा आयोजित भेंटवार्ता में यह विचार उभरा, बैठक में इस्राइल के मौजूदा प्रधानमंत्री यासिर लापिड भी उपस्थित थे। यह आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि हाल के वर्षों में भारत ने यूएई के साथ अपने रिवायती संबंध और मजबूत किए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और यूएई के सुल्तान शेख खलीफा बिन ज़ायद अल नाहयान के बीच नजदीकी दोस्ती बनी हुई है। भारत के रिश्ते सउदिया राजशाही के साथ भी बहुत बढ़िया हैं, जिनके साथ हाल ही में बाइडेन ने भेंट की है। आई2यू2 तंत्र के उद्भव के परिणामस्वरूप सदस्यों के बीच छह महत्वपूर्ण विषयों अर्थात् जल, ऊर्जा, परिवहन, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा में संयुक्त निवेश करने पर सहमति बनी है। तेल संपन्न खाड़ी क्षेत्र के साथ नए क्षेत्रों में सहयोग बनना महत्वपूर्ण है, वह भी ऐसे वक्त पर जब पिछले कुछ सालों से खाड़ी मुल्कों से प्राप्त धन में कमी हो रही है। शायद, आई2यू2 के संयुक्त घोषणापत्र में सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण पैराग्राफ यह है = 'जहां परियोजना के लिए यथेष्ट भूमि भारत उपलब्ध करवाएगा और फूड पार्क में किसानों की एकीकृत भागीदारी बनाना सुनिश्चित करेगा वहीं अमेरिका और इस्राइल तकनीकी विशेषज्ञता और नवीनतम हल मुहैया करवाएंगे, जिससे कि परियोजना पूर्णरूपेण टिकाऊ बन पाए। इस किस्म के निवेश से फसल उत्पादन अधिकतम बन पाएगा, जिससे कि दक्षिण एशिया और मध्य-पूर्व में खाद्य सुरक्षा में हो रही कमी से निपटने में मदद मिलेगी'। भारत के लिए शिखर सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है यूएई द्वारा भारत भर में फूड-पार्क बनाने के लिए 2 बिलियन डॉलर का निवेश करने का निर्णय लेना। इन नव-उद्यमों में कृषि उत्पादन करने के लिए ताजे पानी के स्रोतों की बचत करने वाली नवीनतम तकनीकें और अक्षय ऊर्जा का इस्तेमाल होगा, जिसके लिए अमेरिका और इस्राइल यथेष्ट तकनीकी योगदान करेंगे ताकि योजना टिकाऊ बन सके। एकीकृत फूड पार्क की शृंखला में स्टेट-ऑफ-आर्ट, पर्यावरण-स्मार्ट तकनीकें इस्तेमाल होंगी ताकि ताजा जल के अलावा पैदा हुए अनाज-फलों की बर्बादी न हो। इसके लिए अमेरिका और इस्राइल के निजी क्षेत्र को अपनी विशेषज्ञता और अन्य नूतन खोजों का लाभ मुहैया करवाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। इससे न केवल कृषि में संयुक्त निवेश बढ़ेगा बल्कि अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भी। यह इस्राइल, अरबी मुल्कों के साथ संयुक्त भागीदारी वाला पहला उपक्रम होगा, जिसे अमेरिका का समर्थन प्राप्त है। यूएई में अंतर्राष्ट्रीय अक्षय ऊर्जा एजेंसी का मुख्यालय भी है और 2023 में होने वाली 'कॉप-28' बैठक की मेजबानी भी करने जा रहा है। इस्राइल और सऊदी अरब से वापसी के पहले जो बाइडेन ने 5.3 बिलियन डॉलर मूल्य के सौदे सिरे चढ़ाए हैं, जिसके तहत यूएई और सउदिया को अमेरिका हवाई सुरक्षा मिसाइलें देगा। शिखर सम्मेलन के घटनाक्रम भारत के लिए संतोषप्रद हो सकते हैं। भारत से कृषि उत्पादन के निर्यात से आसपास की समूची फारस की खाड़ी के मुल्कों की भोजन जरूरतें भी पूरी हो पाएंगी। यह ऐसे वक्त पर हो रहा है जब खाड़ी के देशों में काम करने वाले भारतीय कामगारों द्वारा स्वदेश में भेजने वाले धन की मात्रा में ठहराव आ चुका है या कमी हो रही है। बताया जा रहा है कि केरल में, जहां फारस की खाड़ी में काम करने गए कामगार वापस आने लगे हैं, नई संभावनाओं को लेकर मंथन चल रहा है। पिछले साल भारत को विदेशों से कुल मिलाकर 87 बिलियन डॉलर की प्राप्ति हुई है। इसमें 23 बिलियन डॉलर का सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका से आया है और 18 बिलियन डॉलर के साथ यूएई दूसरे स्थान पर है। रोचक यह कि तेल संपन्न मुल्क जैसे कि सऊदी अरब, कुवैत और कतर से आने वाले धन के सामने सिंगापुर से 7 बिलियन डॉलर की प्राप्ति बौनी प्रतीत होती है। मित्र खाड़ी देशों से आने वाला धन क्यों कम होता जा रहा है इसपर विस्तृत अध्ययन करने की जरूरत है वहीं अमेरिका, यूके और सिंगापुर से पावती बढ़त की ओर है। इसके अलावा, यह संकेत भी हैं कि गैस-संपन्न कतर अपने इलाके में अपेक्षाकृत स्वतंत्र भूमिका निभाना चाहता है। खबरें हैं कि कतर का झुकाव पाकिस्तान और तुर्की की ओर बढ़ने लगा है। हालांकि यह ऐसा कुछ नहीं है जिससे भारत को बहुत चिंतित होने की जरूरत हो। भारत के लिए अधिक महत्वपूर्ण है कि सहयोग बढ़ाने की डगर पर बढ़ता चले ताकि स्वदेशी कृषि क्षेत्र में और अधिक निवेश हो पाए, खासकर सऊदी अरब से।

विचार मंथन

टला नहीं है खतरा

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

पिछले कुछ समय से कोरोना विषाणु के संक्रमण की रफ्तार धीमी होने की वजह से लोगों में यह धारणा बनने लगी थी कि अब खतरा टल गया है। यही वजह रही कि अपनी ओर से संक्रमण से बचाव के लिए अपनाए जाने वाले उपायों को लेकर लोग लापरवाही या उदासीनता बरतने लगे, जबकि तथ्य यह है कि इस विषाणु के फैलने से रोकने के लिए जो उपाय लागू किए गए थे, उन्हीं के बूते संक्रमण के खतरे को कम किया जा सका था। अब कोरोना वायरस महामारी को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने एक बार फिर से सख्त चेतावनी जारी की है। डब्लूएचओ के महानिदेशक डॉ टेड्रोस अधनोम घेब्रेसियस ने कहा कि हमें यह दिखावा नहीं करना चाहिए कि कोरोना हमारे बीच नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें अभी भी खुद को बचाने की जरूरत है। डब्लूएचओ प्रमुख की चेतावनी ऐसे समय में आई है जब फिर से एक बार कोरोना के चलते मौतों में वृद्धि देखी गई है। खुद भारत में कोरोना के मामलों में तेज वृद्धि देखी जा रही है। टेड्रोस ने कहा, हम यह दिखावा नहीं कर सकते कि यह (कोविड-19) अब हमारे बीच मौजूद नहीं है। उन्होंने एक ट्वीट में कहा, कोविड-19 के साथ जीना सीखने का मतलब यह नहीं है कि हम दिखावा करते फिरें कि कोरोना अब मौजूद नहीं है। हमें अपने पास मौजूद सभी साधनों का इस्तेमाल अपनी सुरक्षा और दूसरों की सुरक्षा के लिए करते रहना होगा। दुनिया भर में चार हफ्तों में कोविड-19 से संबंधित मौतों में 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हालांकि भारत में सरकार का कहना है कि नए मामले अभी हल्की प्रकृति के हैं, इसलिए इससे घबराने की जरूरत नहीं है। लेकिन सावधानी के लिए सरकार ने बचाव के उपायों को लेकर नियम-कायदों को लेकर सख्ती बढ़ा दी है। दिल्ली में मास्क नहीं लगाने पर अब फिर 500 रुपए का जुर्माना देना होगा। अब अगर बचाव के उन्हीं उपायों को लोग ताक पर रख कर अपना व्यवहार तय कर रहे हैं तो उसका नतीजा क्या हो सकता है, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। स्वाभाविक ही कुछ वक्त की दिखने वाली राहत के बाद अब एक बार फिर विषाणु के संक्रमण की ताजा रफ्तार ने आम लोगों से लेकर सरकार तक की चिंता बढ़ा दी है। खासतौर पर दिल्ली में कोरोना के तेजी से बढ़ते मामलों से यही पता चलता है कि लोगों की यह धारणा गलत थी कि अब संक्रमण रुक गया है और इसे लेकर बहुत ज्यादा फिक्रमंद होने की जरूरत नहीं है। जबकि शुरू से इस विषाणु और इसके अलग-अलग बहुरूप ने अपने संक्रमण को लेकर कोई स्थिर रवैया नहीं अपनाया। जाहिर है, हाल के दिनों में फिर से इस विषाणु ने आक्रामक रवैया अख्तियार करना शुरू कर दिया है। दरअसल, इस बार कोरोना के ओमिक्रान बहुरूप के नए उप-रूप बीए2.75 की वजह से संक्रमण की रफ्तार बढ़ी है। यानी हर कुछ समय बाद इसके स्वरूप में बदलाव आया है, जिसकी वजह से इससे निपटने को लेकर अतिरिक्त सजगता की जरूरत है। आज यह नहीं कहा जा सकता है कि इस विषाणु के फैलने की कोई एक प्रकृति है और सिर्फ उसी को लेकर सावधान होना चाहिए। पहले यह जरूर कहा गया था कि कोरोना का टीका लोगों को इसके संक्रमण से सुरक्षा देगा, लेकिन इस विषाणु के फैलने की बदलती प्रकृति ने यह बताया है कि अगर टीका लेने वाले लोग भी बचाव के उचित उपायों को लेकर ढीला रुख अख्तियार करते हैं तो उनके फिर से कोरोना विषाणु की चपेट में आने की आशंका बनी रहेगी। अमूमन हर जगह इसकी प्रकृति ने दुनिया भर में स्वास्थ्य विशेषज्ञों के सामने एक जटिल चुनौती पेश की है।

चूंकि अभी भी इसका कोई कारगर और अंतिम इलाज नहीं खोजा जा सका है, इसलिए फिलहाल इससे बचाव के उपायों के प्रति गंभीरता ही इसका सामना करने का एक अहम तरीका है।

अमृत महोत्सव

अमृत महोत्सव भारत का नया स्वरूप उजागर करेगा!

लेखक-डॉ. भरत मिश्र प्राची

देश को आजाद हुए 75 वर्ष होने जा रहे है । देश आजादी की 75वीं वर्षगाठ पर अमृत महोत्सव भी मनाने जा रहा है जिसपर हर घर पर तिरंगा फहराने का निर्णय लिया गया है। सरकार के इस निर्णय से देश तिरंगामय नजर आयेगा। पर इन 75 वर्ष में जो कुछ नजर आ रहा वह सभी के सामने है जहां हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पहले से ही विकास के गीत की धुन सुनाई देने लगी है। देश में किस तरह का विकास हुआ कि आज फिर से आजादी की जंग शुरू हो गई है। भ्रष्टाचार के चरण दिन पर दिन देश की अस्मिता को दबाते जा रहे है। महंगाई आम जन को लीलती जा रही हैं। संसद मे कोई चप्पल फेंक रहा है तो कोई अपमानित घुट पी रहा है, तो कोई संसद में चर्चा के दौरान खराटें लेकर , उलूल जूलूल बातें कर , संसद छोड़कर संसद का कीमती वक्त बर्बाद कर रहा है। महंगाई बढ़ती जा रही है, आतंकवाद से देश परेशान है। देश का धन विदेशी बैंक की शोभा बढ़ा रहा है। देश में विकास कम नाम विदेशियों को बुलाने एवं उनके हाथ सबकुछ सौंपने की तैयारी चल रही है। देश के उद्योग धंधे धीरे - धीरे बंद होते जा रहे हैं। देश की प्रतिभा का पलायन जारी है। टैक्स का दायरा दिन पर दिन बढ़ता जा रहा है। वायु को छोड़ आज सभी चीजों पर एक नहीं अनेक प्रकार का टैक्स यहां आम जन को चुकाना पड़ रहा है जहां आय छोटी लगने लगी है। अब तो मकान मालिक के साथ -साथ किराये में रहने वालों को भी 18 प्रतिशत जीएसटी देने की बात सामने आरही है। आज यहां हर आम आदमी टैक्स से परेशान है । दूसरी ओर जनता के सेवक कहे जाने वाले जन प्रतिनिधि आराम जीवन व्यतीत करने वाले वेतन भोगी हो चले है। इनक भत्ते एवं इनकी सुविधाओं में दिनदुनी रात चौगनी वृद्धि होती जा रही है। एक तरफ देश की आवाम टैक्स के भार तले दबती जा रही है, महंगाई से पीस रही है तो दूसरी ओर जनतंत्र के रखवाले सुख सुविधा बटोरने में मशगूल है। संसद में चर्चा होती है, बहस होती है, और फिर पूर्व की तरह सबकुछ यथावत दिखने लगता है। जैसे अभी संसद में महंगाई को लेकर जिस तरह विपक्ष की आवाज अनसुनी की जा रही है ,देश में विपक्ष की भूमिका नगण्य हो चली है। इस तरह के हालात में समस्या कैसे हल होगी, विचारणीय मुद्दा है। भ्रष्टाचार के कदम बढ़ते ही जा रहे है। इस मामले को लेकर अभी तक जो कार्यवाही प्रवर्तन निदेशालय की ओर से सामने आ रही है, भ्रष्टाचार की एक नई तस्वीर उजागर कर रही है जबकि यह कार्यवाही अभी तक एकतरफा ही दिखाई दे रही है। जब यह निष्पक्ष रूप से सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष तक कार्यवाही देश के सभी जननेताओं की होगी तो पता चलेगा कूंए में कितनी भांग घुली है। इस तरह के अनेक उदाहरण यहां मिल जाएंगे जहां आजादी के वास्तविक परिवेश पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे है। क्या इन्हीं हालातों के लिये देश के लोगों ने कुर्बानियां दी। आज फिर से आजादी की बात उभरने लगी है। यह अच्छी बात है कि देश आजादी की 75वीं वर्षगाठ जिस रूप में मनाने जा रहा है हर भारतीय के दिल में आजादी की अलख जगेगी एवं आजादी के लिये दी गई कुर्बानियां की नई यादगार नई अलख जगायेगी। इस अमृत महोत्सव की अलख एक ऐसे नये भारत के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाये जहां भ्रष्टाचाररहित भारत की नई दिशा एवं दशा का स्वरूप उजागर हो सके। जहां देश की रक्षा की अलख हर भारतीय के दिल में ऐसी जगे जहां शुद्ध राजनीतिक वातावरण में भारत का नवनिर्माण हो सके। अमृत महोत्सव उपरोक्त दोष रहित नव भारत का नया स्वरूप उजागर करने में सफल अभियान होगा।

हरित ऊर्जा मूल्य श्रृंखला में काम करने एलएंडटी चार वर्षों में ढाई अरब डॉलर का करेगी निवेश

हजीरा । देश के आधारभूत ढ़ाचे में कार्यरत प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग क्षेत्र की प्रमुख कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) की हरित ऊर्जा की व्यापक मूल्य श्रंखला में काम करने के लिए अगले चार वर्षों में ढाई अरब डॉलर निवेश करने जा रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। हरित ऊर्जा क्षेत्र में इतने बड़े पैमाने पर निवेश बाजार के विकसित होने पर निर्भर करता है। एक बयान में कहा गया है कि एलएंडटी की 2035 तक जल तटस्थता और 2040 तक कार्बन तटस्थता हासिल करने की योजना है। एलएंडटी के पूर्णकालिक निदेशक और वरिष्ठ कार्यकारी उपाध्यक्ष (ऊर्जा) सुब्रमण्यन शर्मा ने कहा, ÷हम तीन-चार साल के अंदर इसे शुरू करने के लिए दो से 2.5 अरब डॉलर का निवेश करेंगे।÷ एलएंडटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और हरित ऊर्जा कारोबार प्रमुख डेरेक एम शाह ने कहा कि कंपनी जिसकी बड़े पैमाने पर स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में कदम रखने की योजना है, उसका लक्ष्य प्रमुख तकनीकी उपकरणों के निर्माण में प्रवेश करना है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, लार्सन एंड टुब्रो और रिन्यू पावर ने देश भर में हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं को विकसित करने और इस क्षेत्र के लिए सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को भुनाने के लिए एक संयुक्त उद्यम कंपनी बनाने पर सहमति जताई है।

रक्षा कंपनी गार्डन रीच 23 पोतों का कर रही निर्माण, इनमें से सात विदेशों के लिए

कोलकाता । रक्षा के क्षेत्र में कार्यरत प्रतिष्ठित सार्वजनिक कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) वर्तमान में 23 पोतों का विनिर्माण कर रही है जिनमें से सात पोत अन्य देशों के लिए बनाए जा रहे हैं। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक कोमोडोर (सेवानिवृत्त) पी आर हरि ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सभी पोत इस समय विनिर्माण के विविध चरणों में हैं। जीआरएसई को भारतीय नौसेना के लिए तीन आधुनिक पोत बनाने का 19,294 करोड़ रुपये का ठेका भी मिला है जो उसके लिए गौरव की बात है। इनमें से दो पोत वह बना चुकी है और तीसरे का निर्माण तेज गति से चल रहा है। हरि ने कहा, 'जीआरएसई 23 पोतों का विनिर्माण कर रही है जिनमें से सात अन्य देशों के लिए हैं।' कोलकाता की यह युद्धपोत विनिर्माता कंपनी बांग्लादेश के लिए छह गश्ती नौकाएं तथा गुआना के लिए यात्री और सामान के आवागमन के लिए एक पोत बना रही है। हरि ने बताया कि जीआरएसई नौसेना के लिए आठ पनडुब्बी-रोधी युद्धपोत भी बना रही है।

प्रौद्योगिकी के साथ मानवीय रचनात्मकता भी तेजी से बढ़ रही: कुमार मंगलम

मुंबई । आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि जीवन और उद्योग में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है और उससे भी कहीं अधिक तेजी से मानवीय रचनात्मकता बढ़ रही है। बिड़ला ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा` कि हम हाइटेक और हाइटच दुनिया में प्रवेश कर रहे हैं। जीवन और उद्योग में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है और उससे भी कहीं अधिक तेजी से मानवीय रचनात्मकता बढ़ रही है। मेरा तर्क है कि मानवीय स्पर्श और समानुभूति का सीधा संबंध प्रौद्योगिकी की वृद्धि से है। बिड़ला ने कहा कि आने वाले दशक में प्रौद्योगिकी जानकारों, उद्योगपतियों, राजनेताओं और नागरिकों को आस्तित्व के कुछ सवालों से समान रूप से जूझना होगा। उन्होंने कहा कि इंसानियत के समक्ष जो सबसे बड़ी चुनौतियां हैं उनका समाधान प्रौद्योगिकी और मानवीय सरलता ही निकाल सकते हैं। उन्होंने छात्रों से इस दुनिया में अपना मुकाम बनाने के लिए आगे आने का अनुरोध करते हुए कहा कि उन्होंने लोगों और मशीनों के बीच उद्देश्य का सामंजस्य बिठाते हुए काम करना होगा।

(शेयर बाजार समीक्षा) विदेशी निवेशकों के रुख तय करेंगे बाजार की चाल

नई दिल्ली ।

देश में जुलाई में महंगाई में कमी से उत्साहित निवेशकों की लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह तेजी पर रहे शेयर बाजार की चाल अगले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से तय होगी। इस सप्ताह वैश्विक रुझानों और रुपए की चाल भी शेयर बाजार की प्रभावित करेंगी। विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह अगस्त महीने के वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) सौदे पूरे होंगे, जहां तेजड़िए अगस्त सीरीज में बढ़त के बाद आराम की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह बहुत अधिक घटनाएं नहीं हैं, लेकिन वैश्विक संकेत, अगस्त महीने के एफएंडओ सौदे और एफआईआई का रुख बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने कहा कि लगभग सभी कंपनियों के तिमाही नतीजे आ चुके हैं और अब बाजार का ध्यान चीन-अमेरिका के बीच भू-राजनीतिक तनाव और रूस-यूक्रेन संघर्ष के अलावा कच्चे तेल के रुख पर भी होगा। इस सप्ताह वायदा सौदों के निपटान के लिए प्रतिभागी व्यस्त रहेंगे। इसके अलावा अमेरिका से वैश्विक संकेत और विदेशी निवेश की आवक पर भी बाजार की नजर रहेगी। विश्लेषकों के अनुसार बीते सप्ताह कारोबार के अंतिम दिन शुक्रवार को एफआईआई ने ऊंचे भाव पर जमकर

मुनाफावसूली की है, जिससे शेयर बाजार की लगातार जारी तेजी थम गई। ऐसे में इस सप्ताह भी बाजार पर मुनाफावसूली का दबाव दिख सकता है। इस बीच छोटे निवेशकों के लिए बेहतर होगा कि वे सतर्कता बरतें।

खाने के तेल में और मिल सकती है राहत

नई दिल्ली ।

शिकागो एक्सचेंज के लगभग आधा प्रतिशत मजबूती के साथ बंद होने से शनिवार को दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में सोयाबीन तेल की कीमतों में सुधार देखने को मिला जबकि आयात भाव के मुकाबले सोयाबीन का स्थानीय भाव कम होने से सोयाबीन तिलहन के भाव पूर्व-स्तर पर बने रहे। वहीं पामोलीन तेल के भाव टूटने के बीच बाकी लगभग सभी खाद्य तेल-तिलहनों की कीमतें पिछले स्तर पर बंद हुईं। वहीं बाजार के सूत्रों ने कहा कि फिलहाल खाद्य तेलों के दाम काफी नीचे हैं लेकिन खुदरा कीमतों में खास गिरावट नहीं आई है ऐसे में कीमतों में और गिरावट की पूरी गुंजाइश है। बाजार के जानकार सूत्रों ने बताया कि सोयाबीन डीगम तेल का आयात कहीं महंगा बैठता है और इस तेल का स्थानीय भाव भी कमजोर होने से इसके आयात में नुकसान है। पामोलीन तेल का भाव इतना कम है कि इसके आगे कोई खाद्यतेल नहीं टिकेगा। पामोलीन इसी तरह सस्ता बना रहा तो अगले लगभग सवा महीने बाद आने वाली सोयाबीन, मूंगफली और बिनौला की फसल की खपत को लेकर दिक्कत आ सकती है। सूत्रों ने कहा कि ऐसा होने पर सरकार को घरेलू किसानों के हित साधने के लिए समुचित कदम उठाने होंगे।

चालू पहली तिमाही में एलआईसी के मृत्यु संबंधी बीमा दावों में 20 प्रतिशत की कमी आई

नई दिल्ली । महामारी कोरोना के संक्रमण से राहत मिलने के बाद चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को मिलने वाले मृत्यु संबंधी बीमा दावों में लगभग 20 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई है। हालांकि यह अभी भी 2020 से पहले के स्तर से अधिक है। एलआईसी के चेयरमैन एम आर कुमार ने विश्लेषकों के साथ चर्चा के दौरान बताया कि पिछले वित्त वर्ष की जून तिमाही में 7,111 करोड़ रुपये के मृत्यु दावों का निपटारा किया गया था जबकि इस वर्ष पहली तिमाही में इस श्रेणी के 5,743 करोड़ रुपये के बीमा दावे ही मिले। कुमार ने कहा, 'पॉलिसीधारक की मौत से संबंधित बीमा दावों में गिरावट आई है और स्पष्ट तौर पर इसकी वजह कोविड-19 के प्रकोप में कमी आना है।' एलआईसी में कार्यकारी निदेशक एवं नियुक्त बीमांकक दिनेश पंत ने कहा कि महामारी से पहले तक दावों की दर स्थिर थी। कोविड की वजह से बीते दो वर्ष में दावों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा, 'चालू तिमाही (सितंबर तिमाही) से यह और सामान्य स्थिति में पहुंचता हुआ नजर आ रहा है। हालांकि यह अभी 2020 के आंकड़ों तक नहीं पहुंचा है। इसमें कुछ समय लगेगा और कुछ मामले देर से संज्ञान में लाए जा सकते हैं।' पंत ने कहा, 'हमें उम्मीद है कि अगले वर्ष तक मृत्यु संबंधित बीमा दावों की संख्या कोविड से पहले के स्तर तक रह सकती है।'

त्योहारी सीजन में मांग बढ़ने से उद्योग जगत को मिलेगी मजबूती

- औद्योगिक जिंसों के दाम कम होने से उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों पर वस्तुएं नहीं खरीदनी पड़ेगी

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्रालय का मानना है कि त्योहारी सीजन में उपभोक्ता की मांग में इजाफा होगा। जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों जगहों पर उपभोक्ता खपत में बढ़ोतरी होगी। औद्योगिक जिंसों के दाम कम होने से त्योहारी सीजन में उपभोक्ताओं को बढ़ी हुई कीमतों पर वस्तुएं नहीं खरीदनी पड़ेगी। आरबीआइ के सर्वे में भी कहा गया है कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में मैन्यूफैक्चरिंग इकाइयों के उत्पादन और नए ऑर्डर में बढ़ोतरी होगी। मैन्यूफैक्चरिंग और कैपिटल गुड्स में पिछले तीन महीनों से लगातार दहाई अंक में बढ़ोतरी भी मैन्यूफैक्चरिंग में तेजी के संकेत दे रही है। सितंबर माह से त्योहारी सीजन शुरू हो रहा है जो साल के आखिर तक रहेगा। वित्त मंत्रालय की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण पश्चिम मानसून के कारण खरीफ की बुवाई को मदद मिल रही है और न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी से ग्रामीण मांग में बढ़ोतरी की संभावना है। मंत्रालय के मुताबिक संपर्क से चलने वाले सेक्टर से लोग अब परहेज नहीं कर रहे हैं और लोग खुलकर सैर-सपाटे के साथ होटल व रेस्टोरेंट में जा रहे हैं। इससे शहरी इलाकों की खपत में इजाफा होगा। मंत्रालय के मुताबिक टूरिज्म, होटल जैसे उद्योग एक बार फिर से कोरोना काल से पूर्व की स्थिति में पहुंच रहे हैं। पिछले दो महीने से सेवा सेक्टर के परचेजिंग मैनेजर इंडेक्स (पीएमआई) में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इस साल फरवरी माह के आखिर में रूस यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद स्टील, तांबा, एल्युमीनियम, जिंक, चांदी जैसे औद्योगिक जिंसों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी, लेकिन जून के बाद से इन जिंसों के भाव में लगातार गिरावट हो रही है। कच्चे तेल के वैश्विक दाम भी लगातार कम हो रहे है। औद्योगिक निर्माताओं के मुताबिक वे अब त्योहारी सीजन में अपनी पूरी क्षमता से

मैन्यूफैक्चरिंग करेंगे क्योंकि उनकी लागत कम हो गई है। लागत कम होने से उनका मार्जिन भी प्रभावित नहीं होगा। कंज्यूमर ड्यूरेबल और रिटेल कारोबारियों के मुताबिक लागत कम होने से अब वस्तुओं की कीमतें भी नहीं बढ़ेंगी और हो सकता है कुछ वस्तुओं पर उपभोक्ताओं को राहत मिल जाए। दूसरी तरफ सरकार भी अर्थव्यवस्था में लगातार निवेश कर रही है। पूंजीगत व्यय के रूप में पहली तिमाही में 1.75 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं और इससे भी अर्थव्यवस्था में नई मांग निकलेंगी।

विदेशी निवेशकों ने 1 से 19 अगस्त के बीच 44,481 करोड़ के शेयर खरीदे

मुंबई ।

भारतीय बाजार में विदेशी निवेशकों की खरीदारी एक बार फिर वापस लौटती दिख रही है। एनएसडीएल के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी निवेशकों ने 1 अगस्त से 19 अगस्त के बीच भारतीय बाजार में 44,481 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर खरीदे हैं। किसी एक महीने में यह विदेशी निवेशकों की भारतीय बाजार में यह सबसे बड़ी खरीदारी है। बाजार की इस तेजी के बीच अब यह चर्चा है कि क्या यह तेजी आगे जारी रहेगी या नहीं। साल की पहली छमाही रूस-यूक्रेन युद्ध, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, ब्याज दरों में बढ़ोतरी, विदेशी निवेशकों की बिकवाली, अमेरिकी में मंदी की आशंका के बीच गिरावट और उतार-चढ़ाव के बीच निकल गया है। अब साल की दूसरी छमाही में निवेशकों को तेजी देखने को मिल रही है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार की स्थिति अब बेहतर दिख रही है। बाजार में 2020 में निचले स्तरों पर निवेश करने वाले नए निवेशकों को अपना मुनाफा बुक कर लेना चाहिए। वहीं अनुभवी निवेशकों को बाजार में अभी रूकना चाहिए। हालांकि अब निवेशकों को 2020-21 के

जैसा डबल -ट्रिपल रिटर्न की उम्मीद नहीं करना चाहिए। अब महंगाई कम होती दिख रही है और कंपनियों के तिमाही नतीजे भी बेहतर आए हैं। लिहाजा इक्विटी में बुलिश होने के कारण नजर आ रहे हैं. मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि ये सोचना गलत होगा कि संकट खत्म हो गया है. अभी बाजार में वैलेटिलिटी देखने को मिल सकती है. साथ ही करेक्शन के और नए दौर भी आ सकते हैं. लिहाजा एसआईपी और धीरे-धीरे निवेश जारी रखें।

भारत के पास है पर्याप्त स्टॉक, सरकार ने गेहूं आयात करने की खबरों का किया खंडन

नई दिल्ली: सरकार की गेहूं आयात करने की कोई योजना नहीं है और देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए उसके पास पर्याप्त भंडार है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने कहा कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के पास सार्वजनिक वितरण के लिए पर्याप्त भंडार है। एक सूत्र ने कहा, ''भारत की गेहूं आयात करने की कोई योजना नहीं है। देश में हमारी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार है।'' उन्होंने यह टिप्पणी कुछ खबरों के संदर्भ में की, जिनमें कहा गया था कि भारत आने वाले समय में गेहूं का आयात कर सकता है। भारत का गेहूं उत्पादन लगभग तीन प्रतिशत घटकर 10.684 करोड़ टन रहने का अनुमान है। हालांकि फसल वर्ष 2021-22 में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.572 करोड़ टन होने का अनुमान है। दरअसल देश के उत्तरी राज्यों- पंजाब और हरियाणा में गेहूं की फसल पकने के समय भीषण गर्मी पड़ने से गेहूं का उत्पादन कम होने का अनुमान है। कृषि मंत्रालय की तरफ से हाल ही में जारी फसल वर्ष 2021-22 के चौथे अग्रिम अनुमान के अनुसार चावल, मक्का, चना, दलहन, तिलहन और गन्ने का उत्पादन नया रिकॉर्ड बना है।

ब्याज दरें बढ़ने से कार की मांग पर असर नहीं: मारुति सुजुकी

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी (विपणन एवं बिक्री) शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि ग्रैंड विटारा और ब्रेजा जैसे नए उत्पादों की पेशकश के साथ बुकिंग में वृद्धि हुई है और कंपनी के लंबित ऑर्डर पिछली तिमाही में 2.8 लाख से बढ़कर लगभग 3.87 लाख इकाई हो गए। उन्होंने एक बातचीत में कहा कि सैद्धांतिक रूप से ब्याज दरों में बढ़ोतरी का नकारात्मक प्रभाव होना चाहिए लेकिन फिलहाल हम ऐसा महसूस नहीं कर रहे हैं। वह इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या ब्याज दरों में बढ़ोतरी से कारों की मांग पर असर पड़ा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस महीने की शुरुआत में रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि की थी। मई के बाद से यह लगातार तीसरी वृद्धि थी। इसके साथ ही ब्याज दर महामारी से पहले के स्तर पर आ गई है। श्रीवास्तव ने कहा कि ब्याज दरों में वृद्धि का मांग पर असर नहीं होने की एक वजह यह है कि महामारी और सेमीकंडक्टर की कमी के चलते आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान हुआ। इस कारण उत्पादन प्रभावित हुआ और मांग को पूरा नहीं किया जा सका था। उन्होंने कहा कि एक बार जब आपके पास भरपूर उत्पादन हो जाएगा, तो मांग के वास्तविक रुझानों का पता चलेगा। उन्होंने कहा

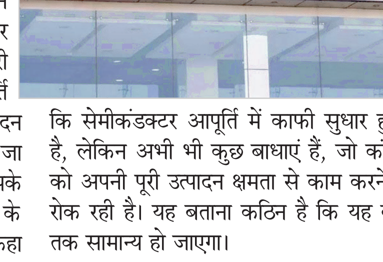

कि सेमीकंडक्टर आपूर्ति में काफी सुधार हुआ है, लेकिन अभी भी कुछ बाधाएं हैं, जो कंपनी को अपनी पूरी उत्पादन क्षमता से काम करने से रोक रही है। यह बताना कठिन है कि यह कब तक सामान्य हो जाएगा।

आपकी कार में स्पीड लिमिटर खुद ही कार की स्पीड कम कर दे, इस योजना पर चल रहा काम

नई दिल्ली ।

स्पीड लिमिट बोर्ड आपको लगभग हर हाइवे और फ्लाइओवर पर दिख जाते हैं। कुछ गाड़ियों में भी स्पीड लिमिटर इंस्टॉल होता है, जो आपको एक निश्चित स्पीड से ज्यादा रफ्तार पर कार ड्राइव नहीं करने देता है। हालांकि, इन सभी का तोड़ नियम तोड़ने वाले निकाल लेते हैं। क्या हो अगर आपकी कार में स्पीड लिमिटर खुद ही कार की स्पीड कम कर दे। आसान शब्दों में कहें, तब कार की स्पीड खुद-ब-खुद कम हो जाए। इस तरह की एक टेक्नोलॉजी को न्यूयॉर्क में टेस्ट किया जा रहा है। न्यूयॉर्क ऐसा करने वाला कोई पहला शहर नहीं है। गाड़ियों की तेज रफ्तार को मैनेज करने के लिए इस पर तेजी से काम हो रहा है।

6 महीने के पायलट प्रोजेक्ट के लिए शहर की 50 फ्लीट वीकल्स में लगाया गया है। ये स्पीड असिस्टेंट लोगों को निश्चित स्पीड को पार नहीं करने देगा। अगर यह प्रोजेक्ट सफल रहता है, तब न्यूयॉर्क में मौजूद 30 हजार फ्लीट वीकल्स में आईएसअए को इंस्टॉल किया जाएगा। आईएएस दूसरे

स्पीड लिमिटर्स के मुकाबले अलग तरह से काम करता है. जहां दूसरे लिमिट्स ड्राइवर को स्पीड क्रॉस करने के सिग्नल भेजते हैं। आईएसए ऑटोमेटिक कार की स्पीड कम कर देता है।

ओएनजीसी लगातार तीसरी बार अंतरिम अध्यक्ष का कर सकती है चुनाव

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) लगातार तीसरी बार अंतरिम चेयरमैन के लिए तैयार है। सूत्रों ने कहा कि यह पद खाली होने के 17 महीने बाद भी भारत की सबसे अधिक मुनाफा कमाने वाली कंपनी में किसी पूर्णकालिक प्रमुख नहीं चुना गया है।

ओएनजीसी अप्रैल 2021 से किसी नियमित चेयरमैन और प्रबंध निदेशक के बिना है। कंपनी बोर्ड के सबसे वरिष्ठ निदेशक सुभाष कुमार को 31 मार्च 2021 को शशि शंकर के सेवानिवृत्त होने के बाद कार्यवाहक प्रमुख नामित किया गया था।

जब कुमार सेवानिवृत्त हुए तो 31 दिसंबर, 2021 को मानव संसाधन निदेशक अलका मित्तल को अतिरिक्त प्रभार दिया गया। इस मामले की जानकारी रखने वाले दो अधिकारियों ने कहा कि मित्तल इस महीने के अंत में सेवानिवृत्त हो जाएंगी और यदि उन्हें सेवा विस्तार नहीं दिया गया तो अगले वरिष्ठतम निदेशक राजेश कुमार श्रीवास्तव, जो निदेशक (अन्वेषण) हैं, को अंतरिम प्रमुख के रूप में नामित किया जा सकता है। यदि ऐसा हुआ तो लगातार तीसरी बार अंतरिम चेयरमैन का चुनाव एक रिकॉर्ड होगा। इस संबंध में इस साल फरवरी में एक खोज एवं चयन समिति का गठन किया गया था, लेकिन वह वर्तमान महीने काम शुरू कर सकी।

अधिकारियों ने बताया कि समिति ने तेल मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित उच्च पात्रता आयु सीमा के आधार पर नौ उम्मीदवारों की छंटनी की है, जिनमें से ज्यादातर मौजूदा निदेशक हैं।

इन उम्मीदवारों में मित्तल और श्रीवास्तव के साथ ही ओएनजीसी बोर्ड के तीन अन्य निदेशक ओम प्रकाश सिंह (निदेशक, प्रौद्योगिकी और फील्ड सेवाएं), पंकर कुमार (निदेशक, ऑफशोर) और अनुराग शर्मा (निदेशक, ऑनशोर) शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि छांटे गए अन्य उम्मीदवार ओएनजीसी से बाहर के हैं और इनमें तेल विपणन कंपनियों के प्रमुख भी शामिल हैं। समिति उम्मीदवारों का साक्षात्कार लेगी और तेल मंत्रालय को सिफारिशें भेजेगी।

इसके बाद अंतिम समीक्षा और मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) के पास इसे भेजा जाएगा।

दस प्रमुख कंप नियों में से पांच का बाजार पूंजीकरण 30,737.51 करोड़ घटा

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में 10 में से पांच प्रमुख कंपे नियों का बाजार पूंजीकरण 30,737.51 करोड़ रुपए घट गया, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को सबसे अधिक नुकसान हुआ। बीते सप्ताह में सेंसेक्स 183.37 अंक चढ़ा। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और बजाज फाइनेंस में गिरावट हुई। दूसरी ओर एचडीएफसी बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) लाभ में रहे। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का बाजार पूंजीकरण 12,883.7 करोड़ रुपए घटकर 17,68,144.77 करोड़ रुपए रह गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 9,147.73 करोड़ रुपए गिरकर 4,64,436.79 करोड़ रुपए रह गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 5,323.92 करोड़ रुपए घटकर 12,38,680.37 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 2,922.03 करोड़ रुपए घटकर 6,05,807.09 करोड़ रुपए रह गया। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 460.13 करोड़ रुपए घटकर 4,42,035.99 करोड़ रुपए रह गया। दूसरी तरफ हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 9,128.17 करोड़ रुपए बढ़कर 6,18,894.09 करोड़ रुपए पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक ने 4,835.37 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्ज की और इसका बाजार पूंजीकरण 8,30,042.72 करोड़ रुपए हो गया। एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 2,308.62 करोड़ रुपए बढ़कर 4,33,768.34 करोड़ रुपए और एचडीएफसी का बाजार पूंजीकरण 1,916.08 करोड़ रुपए बढ़कर 4,47,675.98 करोड़ रुपए हो गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

झूलन गोस्वामी का गेंदबाजी सफर थमेंगा, संन्यास का ऐलान, लॉर्ड्स में खेलेंगी आखिरी वनडे स्पर्धा

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेटर महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान किया है। झूलन लॉर्ड्स में 24 सितंबर को इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी वनडे मुकाबला खेलेंगी। झूलन गोस्वामी महिला वनडे में सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज हैं। उन्होंने 201 मैच में 252 विकेट लिए हैं। वहीं, महिला वनडे विश्व कप में भी सबसे अधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम हैं। उन्होंने विश्व कप के 34 मैच में 43 विकेट लिए हैं। वो विश्व कप में 2 बार 4 विकेट लेने का कारनामा कर चुकी हैं। 39 साल की झूलन को इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। हालांकि, वो कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं थीं। युवाओं को मौका देने के लिए झूलन ने संन्यास लेने का फैसला किया है। झूलन ने इसी साल मार्च में भारत के लिए आखिरी मैच खेला था। तब वो न्यूजीलैंड में हुए महिला विश्व कप में बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले में उतरी थीं। इस मैच में उन्होंने 19 रन देकर 2 विकेट लिए थे। बीसीसीआई इसी वर्ल्ड कप के बाद ही झूलन को विदाई देना चाहती थी। लेकिन, चोट के कारण वो दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी लीग मैच में नहीं उतर पाईं थीं। इसके बाद से ही उनके विदाई मैच का इंतजार हो रहा है। उन्होंने 2018 में भारत के लिए पिछला टी20 खेला था।

विश्व चैंपियनशिप

सिंधू की अनुपस्थित में लक्ष्य और प्रणय पर दारोमदार

टोक्यो ।(एजेंसी)

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू चोटिल होने के कारण पिछले एक दशक में पहली बार बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं ले पाएगी और उनकी अनुपस्थिति में सोमवार से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट भारत का दारोमदार युवा लक्ष्य सेन और एच एच प्रणय पर होगा। सिंधू ने विश्व चैंपियनशिप में पांच पदक जीते हैं जिनमें 2019 में जीता गया स्वर्ण पदक भी शामिल है। राष्ट्रमंडल खेलों में अपने खिताबी अभियान के दौरान वह चोटिल हो गई थी जिसके कारण उन्हें इस चैंपियनशिप से उन्हें हटना पड़ा। सिंधू का टखना चोटिल है। ऐसी स्थिति में इस टूर्नामेंट में भारत का अच्छा प्रदर्शन बरकरार रखने का दारोमदार युवा लक्ष्य के अलावा अनुभवी प्रणय और किदांबी श्रीकांत पर आ गया है। भारत ने 2011 के बाद इस चैंपियनशिप में हमेशा पदक जीता है। पिछले साल श्रीकांत ने जहां रजत पदक जीता था वहीं लक्ष्य कांस्य पदक जीतने में सफल रहे थे लेकिन इस साल मुकाबला अधिक कड़ा नजर आता है। वर्ष 2021 में जापान के केंटो मोमोटा तथा जोनाथन क्रिस्टी और एंथोनी गिंटिंग की इंडोनेशियाई जोड़ी ने विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लिया था लेकिन इस बार किसी खिलाड़ी ने नाम वापस नहीं लिया है। इसके साथ ही भारत के पुरुष खिलाड़ियों से उम्मीदें काफी की जा रही हैं क्योंकि हाल में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के बाद लक्ष्य का आत्मविश्वास काफी बढ़ा हुआ है और वह विश्व चैंपियनशिप में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। यह 20 वर्षीय खिलाड़ी डेनमार्क के दिग्गज हैंस-क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। भारत के तीनों पुरुष खिलाड़ी एक ही क्वार्टर में है और ऐसे में उनका आमना सामना हो सकता है। नौवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य तीसरे दौर में प्रणय से भिड़ सकते हैं। प्रणय को इससे पहले दूसरे दौर में दूसरी वरीयता प्राप्त मोमोटा को हराना होगा। प्रणय ने पिछले कुछ समय से अपने प्रदर्शन में निरंतरता रखी है। वह तीन बार सेमीफाइनल और एक बार फाइनल में पहुंचे और उनसे इसी तरह के प्रदर्शन को बरकरार रखने की उम्मीद की जा रही है। श्रीकांत को 12वीं वरीयता दी गई है और वह भी लक्ष्य और प्रणय की तरह अच्छी फॉर्म में है। राष्ट्रमंडल खेलों में उन्होंने कांस्य पदक जीता लेकिन आयरलैंड के नाट गुयेन और चीन के झाओ जून पेंग जैसे खिलाड़ियों को हराने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यदि श्रीकांत शुरुआती बाधाओं को पार कर लेते हैं तो क्वार्टर फाइनल में उनका मुकाबला दुनिया के पांचवें नंबर के मलेशियाई ली जिया जिया से हो सकता है। इनके अलावा पुरुष युगल में चिराग सेठी और सात्विक साइराज रंकीरेड्डी पर भी सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। इस भारतीय जोड़ी ने राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। विश्व में सातवें नंबर की इस भारतीय जोड़ी को पहले दौर में बाई मिली है। दूसरे दौर में उनका मुकाबला मलेशिया के गोह वी शेम और टैन वी किओंग की 13वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से हो सकता है। इनके अलावा साइना नेहवाल पर भी निगाहें टिकी रहेंगी जो हाल में कम चर्चा में रही है।

सिनसिनाटी ओपन : फाइनल में खिताब के लिए भिड़ेंगी गार्सिया और क्विटोवा

मेसन : (एजेंसी)

फ्रांस की कैरोलिना गार्सिया और चेक गणराज्य की पेट्रा क्विटोवा ने अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। गार्सिया ने शनिवार को बेलारूस की अरिना साबालेनका को 6-2, 4-6, 6-1 से हराकर फाइनल में कदम रखा, जबकि क्विटोवा ने फाइनल में जगह बनाने के लिए अमरीका की मैडिसन कीज को 6-7(6), 6-4, 6-3 से मात दी। गार्सिया ने जीत के बाद कहा, 'मेरा खयाल है कि किसी ने मेरे फाइनल में पहुंचने की उम्मीद नहीं की होगी। क्वालीफायर्स से यहां पहुंचने तक का सफर बहुत लंबा रहा है।' गार्सिया पैर की चोट के कारण कुछ समय के लिए कोर्ट से दूर हो गई थीं, लेकिन वह मई में रोलां गैरो में लौट आईं और क्रिस्टीना म्लादेनोविक के साथ युगल खिताब जीता। अब वह सिनसिनाटी ओपन का खिताब जीतने से बस एक कदम दूर हैं। दूसरी ओर, पेट्रा क्विटोवा वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन के फाइनल में जीतकर अपना 30वां एकल खिताब जीतना चाहेंगी। क्विटोवा ने सेमीफाइनल में कीज को हराने के बाद कहा, 'यह एक शानदार मुकाबला था। मुझे कहना होगा कि मैडिसन ने एक बेहतरीन टेनिस खेला। यह एक बेहद करीबी मैच था। मैं आज मैच से पहले खुद को बता रही थी कि मैंने यहां फाइनल में जगह नहीं बनाई है। मुझे नहीं पता कि कल नतीजा क्या होगा, लेकिन यह मेरे लिए बहुत बड़ा कदम है।' अब गार्सिया और क्विटोवा फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगी, जो भारतीय समयानुसार रविवार को रात 11:30 बजे खेला जाएगा।

जोशुआ को हराकर फिर विश्व हैवीवेट चैंपियन बने उसिक

जेद्दा (सऊदी अरब) (एजेंसी)

यूक्रेन के मुक्केबाज अलेक्सांद्र उसिक ने यहां किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में एक रोमांचक मुकाबले में एंथनी जोशुआ पर विभाजित निर्णय से जीत दर्ज करके अपना विश्व हैवीवेट खिताब बरकरार रखा। इस मुकाबले में जब जज अपना फैसला सुना रहे थे तब इन दोनों मुक्केबाजों ने यूक्रेन का ध्वज उठा रखा था। उसिक को जब विजेता घोषित किया गया तो उन्होंने झंडे से अपना मुंह ढक दिया। पैंतीस वर्षीय उसिक ने रूस के हमले के खिलाफ यूक्रेन की सेना में सेवाएं देने के छह महीने बाद डब्ल्यूबीए, डब्ल्यूबीओ और आईबीएफ खिताब हासिल किए। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने भी मुकाबले से पहले उसिक के लिए संदेश भेजा था। मुकाबले के बाद उनके प्रतिद्वंदी जोशुआ ने भी उनकी हिम्मत की प्रशंसा की।

सिनसिनाटी ओपन : फाइनल में भिड़ेंगे सितसिपास और कोरिक

मेसन ।(एजेंसी)

यूनान के तीसरी सीड स्टेफानोस सितसिपास और क्रोएशिया के बोर्ना कोरिक ने रविवार को अपने-अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीतकर सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में जगह बनाई। चौथी सीड सितसिपास ने फाइनल में पहुंचने के लिए डेनिल मेडवेडेव को 7-6(6), 3-6, 6-3 से मात दी। दूसरी ओर, कोरिक ने 90 मिनट चले दूसरे सेमीफाइनल में ब्रिटेन के कैमरून नॉरी को 6-3, 6-4 के सीधे सेटों में मात दी। सितसिपास ने मैच के बाद कहा, 'मुझे पता था कि तीसरा सेट मेरे लिये मुश्किल होने वाला है। उन्होंने (मेडवेडेव) इसे मेरे लिए बहुत ही मुश्किल बनाया भी। मैंने उनकी कुछ छूटी हुई पहली सर्विस का लाभ उठाया। मुझे लगता है कि मेरे पास कुछ मौके थे जहां ऐसा लग रहा था कि मैच मेरी तरफ जा रहा है। वह लगातार पहली बार सर्विस करने से चूकते रहे और इससे मुझे अपने अगले कदम के बारे में थोड़ा और स्पष्ट सोचने का समय मिला।' सितसिपास पहली बार सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में और दूसरी बार किसी मास्टर्स 1000 हार्ड-कोर्ट प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे हैं। दूसरी ओर, बोर्ना कोरिक ने नॉरी को हराकर अपने दूसरे एटीपी मास्टर्स फाइनल में जगह बनाई। विश्व के पूर्व 12वें नंबर के खिलाड़ी ने मैच के बाद कहा, 'यह दिन बहुत कठिन और लंबा था।

उन्होंने कहा, मैंने 7~30 बजे खेलने की उम्मीद नहीं की थी। मैं यहां तीन बजे आया था और मुझे लगा कि मैं थोड़ा पहले खेलने जा रहा हूं। फिर मुझे लगा कि मैं देरी के कारण बाद में खेलने जा रहा हूं। यह बेहद रोमांचक दिन था लेकिन अंत में यह बहुत अच्छा रहा। मैं स्पष्ट रूप से आज अपने टेनिस से बहुत खुश था।' अब सितसिपास और कोरिक फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगे जो भारतीय समयानुसार देर रात दो बजे खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सुपर किंग्स में शामिल हुए फाफडुप्लेसिस और मोईन अली

चेन्नई/जोहान्सबर्ग : क्रिकेट साउथ अफ्रीका (सीएसए) टी20 लीग में जोहान्सबर्ग फ्रेंचाइजी की मालिक चेन्नई सुपर किंग्स ने फाफ डुप्लेसिस और मोईन अली सहित पांच खिलाड़ियों को लीग के पहले सत्र के लिए टीम में शामिल किया। चेन्नई सुपर किंग्स क्रिकेट लिमिटेड (सीएसकेसीएल) ने रविवार को यह घोषणा की। सीएसकेएल ने बताया कि फाफ डुप्लेसिस (दक्षिण अफ्रीका), मोईन अली (इंग्लैंड), महीश तीक्ष्णा (श्रीलंका), रोमारियो शेफर्ड (वेस्ट इंडीज) और गेराल्ड कोएट्ज़ी (दक्षिण अफ्रीका) को जोहान्सबर्ग फ्रेंचाइजी में शामिल किया गया है। सीएसकेसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी केएस विश्वनाथन ने कहा, 'क्रिकेट साउथ अफ्रीका के नियमों के अनुसार, हम उपलब्ध खिलाड़ियों की अनुबंधित सूची से चार खिलाड़ियों को चुन सकते हैं। इन चार खिलाड़ियों में से एक दक्षिण अफ्रीका का प्रमुख खिलाड़ी हो सकता है, जबकि अन्य तीन में दो से अधिक एक देश से नहीं हो सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने फाफ, मोइन, महीश और रोमारियो सहित चार खिलाड़ियों को चुनने का फैसला किया है जिन्हें क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने अनुबंधित किया है। हमें दक्षिण अफ्रीका से एक युवा खिलाड़ी लेने की भी अनुमति है। हमने फाफ की सिफारिश के अनुसार गेराल्ड को चुनने का फैसला किया है।' विश्वनाथन ने फाफ के चयन पर कहा, 'फाफ पिछले 10 साल से आईपीएल में सीएसके की रीढ़ रहे हैं। वह हमारी टीम के लिए सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। आईपीएल में पिछली नीलामी के दौरान उन्हें चुनने का सौभाग्य हमें नहीं मिला। हम जिस मौके की तलाश में थे वह सीएसए टी20 लीग में आया।' उन्होंने कहा, 'हम खुश हैं कि फाफ सुपर किंग्स परिवार में वापस लौट आए हैं। फाफ के लिए वापस आने और सीएसके के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का यह एक बेहतरीन मौका होगा। दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी और कप्तान के रूप में उनका अनुभव और परिस्थितियों की समझ अमूल्य है। मुझे यकीन है कि टीम में उनके प्रवेश के साथ, हमारा भविष्य अच्छा हो पाएगा।'

जिम्बाब्वे के खिलाफ एकदिवसीय में सबसे ज्यादा जीत के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंची भारतीय टीम

हरारे । भारतीय क्रिकेट टीम दूसरे एकदिवसीय में जिम्बाब्वे को हराकर सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त जीत हासिल करने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम करने के करीब पहुंच गयी है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गयी है। अभी पाकिस्तान टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे ज्यादा 54 जीत के साथ शीर्ष पर है वहीं भारतीय टीम ने 53 वीं जीत हासिल की है। दोनों टीमों के बीच अब केवल एक ही जीत का अंतर रह गया है। दूसरे एकदिवसीय में मेजबान जिम्बाब्वे ने भारतीय टीम को जीत के लिए 162 रनों का लक्ष्य दिया था। जिसे भारतीय टीम ने 25.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ सबसे ज्यादा जीत के मामले में तीसरे पायदान पर बांग्लादेश है। उसे 51 मुकाबलों में जीत मिली है।

जॉर्जिया वुशु इंटरनैशनल चैम्पियनशिप में मैडल जीतीं कश्मीर की चिश्ती बहनें

(एजेंसी)।

वुशु मार्शल आर्ट खिलाड़ी आयरा चिश्ती और अंसा चिश्ती ने जॉर्जिया में आयोजित वुशु इंटरनैशनल चैम्पियनशिप में गोल्ड और सिल्वर मैडल जीत लिया है। फाइनल मुकाबले में दोनों बहनें पहुंची थी जहां आयरा गोल्ड जीतने में सफल रही। जॉर्जिया में अगस्त के पहले सप्ताह हुए कंपीटिशन जम्मू से अन्य खिलाड़ी भी गए थे जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सबको चौंका दिया। चैम्पियनशिप के अपने वर्ग में गोल्ड लाने वाली आयरा चिश्ती ने कहा- जब हम देश से बाहर गए थे तो हम गर्व से भरे थे। हमारे मन में सिर्फ मैडल लाने की बात चल रही थी।हमें कंपीटिशन मिला लेकिन अंततः हमने अच्छा खेल दिखाया। फाइनल में बहन के साथ ही मुकाबला था। हमने अच्छा खेल दिखाने की कोशिश की। वहीं, सिल्वर मैडल लाने वाली अंसा चिश्ती ने कहा कि जब फाइनल में हमारा दोनों का नाम आया तो हम हैरान हो गए। हमने फैसला लिया कि कोई चीटिंग नहीं करेगा। जो जैसा खेलता है वैसे ही खेलेगा। जो जीतेगा मैडल उसका होगा। वहीं, टूर्नामैंट की तैयारियों संबंधी चिश्ती सिस्टर्स ने संयुक्त तौर पर कहा- हमारे कोच आतिफ ने इसमें प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने हमें कभी न रुकने का पाठ पड़ाया। चाहे कोविड हो या चाहे कोई और वजह, हमने प्रैक्टिस नहीं छोड़ी। सुबह-शाम की मेहनत के कारण हम गोल्ड और सिल्वर जीत पाईं। मां-बाप का सहयोग रहा। उनके बगैर यहां तक पहुंचना संभव ही नहीं था। हम जब जॉर्जिया में जीतीं तो हमने फोन पर बात की। वह काफी खुश थे।

एलिस्टर की आक्रामक बल्लेबाजी से पुजारा की टीम जीती

लंदन । ससेक्स के सलामी बल्लेबाज एलिस्टर ने रॉयल लंदन वन-डे कप 2022 के ग्रुप ए मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 11 छक्के और 18 चौके लगाकर 206 रन बनाने के साथ ही अपनी टीम को समरसेट पर 201 रनों से जीत दिलायी है। ससेक्स की कप्तानी भारतीय टीम के टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा के हाथों में है। इस मैच में पारी की शुरुआत करते हुए बल्लेबाज एलिस्टर ने 161 गेंद में 206 रनों की तेज पारी खेली। इस पारी के साथ ही एलिस्टर लिस्ट ए क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले चौथे सबसे युवा बल्लेबाज बने हैं। लिस्ट ए क्रिकेट में दोहरा शतक लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबालों में भारत के यशस्वी जायसवाल पहले नंबर पर हैं। उन्होंने 17 साल और 292 दिन की उम्र में दोहरा शतक लगाने का रिकार्ड बनाया है। एलिस्टर की इस आतिशी पारी की सहायता से ससेक्स की टीम को 201 रनों से बड़ी जीत मिली है। इस मुकाबले में समरसेट की टीम ने टॉस जीतकर ससेक्स को पहले बल्लेबाजी करने के लिए बुलाया था। ससेक्स की टीम ने निर्धारित ओवरों में पांच विकेट के नुकसान पर 395 रन बनाये। एलिस्टर के अलावा टीम पुजारा ने 66 और डेलरे रॉलिन्स ने नाबाद 54 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 396 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए समरसेट की टीम 38.2 ओवरों में 196 रनों पर ही सिमट गयी। एंड्रयू उम्मेद ने सबसे ज्यादा 54 रन बनाये। पर अन्य खिलाड़ियों के नाकाम रहने के कारण वह टीम को जीत नहीं दिला पाये।

मुम्बई की सड़कों पर स्कूटर पर घूमते नजर आये विराट और अनुष्का

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा का एक वीडियो सामने आया है। इसमें विराट और अनुष्का मुम्बई की सड़कों पर स्कूटर से घूमते नजर आये। इस दौरान विराट ने प्रशंसकों से बचने के लिए जहां काले रंग का हेलमेट लगाया हुआ था। वहीं अनुष्का के हाथ में छाता था। विराट और अनुष्का अपने इस प्रयास के बाद भी प्रशंसकों से बच नहीं पाये। कुछ लोग तो यह देखकर हैरान थे कि लग्जरी कारों वाले विराट ओर अनुष्का आखिर क्यों स्कूटर पर घूमने निकले हैं। इस दौरान कुछ ने इनकी सादगी को सराहा। वहीं यह भी कहा जा रहा है कि अनुष्का अपने काम के बाद घर लौट रही थीं। विराट टीम इंडिया के साथ जिम्बाब्वे दौरे पर नहीं गए हैं। उनके अलावा रोहित शर्मा सहित कई सीनियर खिलाड़ियों को भी आराम दिया गया है।

तीसरे एकदिवसीय को जीतकर 3-0 से सीरीज अपने नाम करने उतरेगी टीम इंडिया

दोपहर 12:45 बजे से शुरु होगा मैच

हरारे । (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम सोमवार को यहां मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले को जीतकर 3-0 से सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले और दूसरे मैच को आसानी से जीता है। ऐसे में तीसरे मैच में भी वह जीत की प्रबल दावेदार है। वहीं दूसरी ओर मेजबान जिम्बाब्वे का लक्ष्य पिछली दो हार भूलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना रहेगा हालांकि यह उसके लिए आसान नहीं रहेगा क्योंकि उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। . भारतीय टीम तीसरे मैच में कुछ नये खिलाड़ियों को आजमाना चाहेगी। आगामी टी20 विश्व कप को देखते हुए सभी युवा खिलाड़ियों को अवसर दिये जाने के प्रयासों को देखते हुए ही यह अहम माना जा रहा है। कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल ने अब तक युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया है। इन युवा खिलाड़ियों को यहां मिले अनुभवों का लाभ होने वाली सीरीजों में होगा। इससे उन्हें बेहतर क्रिकेटर के रूप में खुद को उभरने में सहायता मिलेगी। भारतीय गेंदबाजों ने अब तक मेजबान बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का कोई अवसर नहीं दिया है। भारतीय टीम तीसरे एकदिवसीय में पहले बल्लेबाजी करना चाहेगी ताकि एशिया कप को देखते हुए कप्तान लोकेश राहुल सहित अधिकतर खिलाड़ियों को बल्लेबाजी का अवसर मिल सके। राहुल दूसरे एकदिवसीय में केवल एक रन ही बना पाये थे जबकि पहले एकदिवसीय में उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल इस मैच में बड़ी पारी खेलाकर आगामी एशिया कप और टी20 विश्व कप से पहले अपना मनोबल बढ़ाना चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर मेजबान जिम्बाब्वे टीम अपना सम्मान बचाने का प्रयास करेगी। इसी को देखते हुए वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी में जीत के लिए पूरी ताकत झौंक देगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

भारत: लोकेश राहुल (कप्तान), शिखर धवन (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, अवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, शाहबाज अहमद।

जिम्बाब्वे: रेजिस चकबवा (कप्तान), रयान बर्ल, तनाका चिवंगा, ब्रैडली इवांस, ल्यूक जोंगवे, इनोसेंट काया, ताकुदज़्वानाशे कैटानो, क्लाइव मदांडे, वेस्ली मधेवेरे, तदीवानाशे मारुमनी, जॉन मसारा, टोनी मुन्योंगा, रिचर्ड नगारवा, विक्टर न्याउची, मिल्टन शुम्बा और डोनाल्ड तिरिपानो।

राउरकेला और भुवनेश्वर में होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व आयोजन की तैयारियां पूरीं हुईं

भुवनेश्वर । यहां 13 से 29 जनवरी के बीच राउरकेला और भुवनेश्वर में होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 की मेजबानी के लिए ओडिशा तैयार है। इस मेगा खेल आयोजन के सफल आयोजन के लिए तभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। उड़ीसा राष्ट्रीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों को भी प्रायोजित कर रहा है। ऐसे में इस विश्व कप के लिए राज्य में विशेष उत्साह है। आयोजनकर्ता ऐसे में इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी प्रयास कर रहे हैं। कई खिलाड़ियों, कोचों और एफआईएच अधिकारियों ने भुवनेश्वर में प्रतिष्ठित कलिंग स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के अद्भुत हॉकी स्टेडियम की सराहना की है। कलिंग स्टेडियम के अलावा 2023 विश्व कप के मैच सुंदरगढ़ के राउरकेला स्थित बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम में भी खेले जाएंगे। गौरतलब है कि सुंदरगढ़ जिले को भारत में हॉकी का दिल कहा जाता है क्योंकि इस क्षेत्र से पुरुष टीम में पूर्व कप्तान दिलीप टिर्की, इग्नेस टिर्की, प्रबोध टिर्की और महिला टीम से सुभद्रा प्रधान और ज्योति सुनीता कुलू जैसे कई अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी निकले हैं। इसके मुख्य स्टेडियम के अलावा, जिसमें 20,000 दर्शकों के बैठने की क्षमता होगी, पास में एक अभ्यास पिच भी विकसित की जा रही है। वहीं इसके अलावा कलिंग स्टेडियम को भी बेहतर बनाया जा रहा है। हाल ही में, आगामी विश्व कप के लिए एक नया मैदान देखा गया है। विश्व कप के दौरान हॉकी खिलाड़ियों, खेल प्रेमियों और अन्य मेहमानों को बेहतर अनुभव देने के लिए राज्य ने स्टेडियमों के अलावा भुवनेश्वर और राउरकेला शहरों में कई बुनियादी ढांचे और सौंदर्यीकरण परियोजनाओं को भी तैयार किया है।

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुकाचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें-

ऊँ शनैश्वराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लैं। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लैं। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।

ऊँ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अर्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने- 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

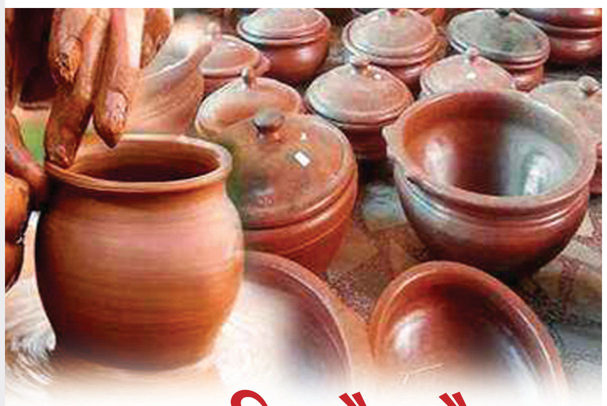

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

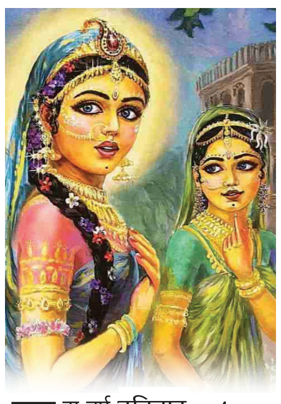

राधा अष्टमी व्रत कब है

इस वर्ष रविवार, 4 सितंबर को श्री राधा अष्टमी पर्व मनाया जाएगा। यह त्योहार प्रतिवर्ष भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवती शक्ति और भगवान श्री कृष्ण की बाल सहचरी राधा जी का जन्म हुआ था। राधा रानी के पिता वृषभानु और माता का नाम कीर्ति था। राधा जी ने अधिकतर समय वृंदावन में ही बिताया था। राधा-कृष्ण के मिलन को लेकर कई स्थानों पर अलग-अलग वर्णन है। कहा जाता है कि पहली बार राधा जी ने कृष?ण जी को तब देखा था, जब मां यशोदा ने उन्हें ओखले से बांध दिया था। कहीं-कहीं यह वर्णन भी मिलता हैं कि वे पहली बार अपने पिता वृषभानु के साथ गोकुल आई थी, तब उन्होंने कृष्ण जी को पहली बार देखा था। कुछ विद्वानों लिखते हैं कि दोनों की पहली बार मुलाकात संकेत तीर्थ पर हुई थी और वहीं दोनों प्रेम बंधन में बंध गए थे। ब्रहमवैवर्त पुराण में बताया जाता है कि एक बार राधा रानी गोलोक में कहीं दिखाई नहीं दे रही थीं तब भगवान श्री कृष्ण दूसरी सखी के साथ विहार करने लगे। इस बात से राधा रानी क्रोधित हो गईं। यह देखकर कृष्ण के मित्र श्रीदामा ने राधा जी को श्राप दिया कि आपको पृथ्वी लोक में जन्म लेकर श्री कृष्ण का विरह सहन करना होगा। और फिर इसी श्राप के फलस्वरूप राधा जी ने पृथ्वी पर वृषभानु के परिवार में जन्म लिया। यह भी माना जाता है कि राधा रानी ने कीर्ति जी के गर्भ से जन्म नहीं लिया था?। वो वृषभानु जी को तपस्थली पर मिली थीं। ऐसा माना जाता है कि राधा जी वृंदावन की अधीश्वरी हैं। राधा जी को भगवान श्री कृष्ण की जीवन ऊर्जा भी माना जाता है। राधा और कृष्ण एक साथ मौजूद हैं इसलिए उन्हें 'राधाकृष्ण' भी कहा जाता है। भाद्रपद शुक्ल अष्टमी का दिन राधा अष्टमी और राधा जयंती के रूप में मनाया जाता है। राधा जी के जन्मस्थान बरसाना में यह दिन बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। यह भगवान श्री कृष्ण और राधा के बीच प्रेम के निस्वार्थ बंधन को समर्पित दिन है। राधा के बिना श्री कृष्ण का व्यक्तित्व अपूर्ण माना जाता है। यदि श्रीकृष्ण के साथ से राधा जी को हटा दिया जाए तो श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व माधुर्यहीन हो जाता। ऐसा माना जाता हैं कि राधा के ही कारण श्रीकृष्ण रासेश्वर हैं।

अमेरिकी वित्त विभाग का शीर्ष अधिकारी यूक्रेन पर तनाव के बीच भारत की यात्रा करेगा

वाशिंगटन। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से पहली बार अमेरिका के वित्त विभाग का एक शीर्ष अधिकारी भारत की आधिकारिक यात्रा करेगा। फरवरी में शुरू इस युद्ध पर भारत के निष्पक्ष रुख को लेकर चिंताओं के बीच अमेरिका चाहता है कि इन बैठकों में इस पर ध्यान केंद्रित किया जाए कि दक्षिण एशियाई देश के साथ संबंधों को कैसे मजबूत किया जा सके। उप-वित्त मंत्री वैली अडेयेमो मुंबई और नयी दिल्ली की यात्रा करेंगे और इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यालय के अधिकारियों, वित्त मंत्रालय, भारत के रिजर्व बैंक और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठकें करेंगे। भारत के 2023 में 20 अंतरसरकारी समूह का नेतृत्व करने की तैयारी पर वित्त विभाग ने कहा कि अडेयेमो ''ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने, दुनियाभर में खाद्य असुरक्षा और धन के अवैध प्रवाह से निपटने जैसी अहम साझा प्राथमिकताओं पर चर्चा'' करेंगे। गौरतलब है कि भारत ने अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ क्वाड गठबंधन में शामिल होने के बावजूद रूस का साथ नहीं छोड़ा। इसके बजाय उसने रूस से अपने कारोबारी संबंध बनाए हुए हैं और वह ऊर्जा तथा अन्य निर्यात के लिए क्रेमलिन पर निर्भर है। वहीं, अमेरिका और यूरोप, रूस के ऊर्जा संसाधनों से दूर जा रहे हैं और वित्त विभाग के अधिकारी रूसी तेल की कीमत पर सीमा लगाने को बढ़ावा दे रहे हैं। वित्त विभाग ने एक बयान में कहा कि अडेयेमो मुंबई में वित्तीय सेवाओं और ऊर्जा क्षेत्र के कार्यकारियों से मुलाकात करेंगे और अमेरिका तथा भारत के बीच आर्थिक संबंध मजबूत करने के बारे में बात करेंगे।

तुर्की- दो भीषण सड़क हादसों में 35 लोगों ने जान गंवाई

इस्तांबुल। तुर्की में शनिवार का दिन काफी भारी पड़ा यहां दो अलग-अलग सड़क हादसों में 35 लोगों की जान चली गई, जिसके बाद अधिकारियों ने दोनों हादसों की जांच शुरू कर दी है। पहली दुर्घटना गाजिअनटेप और निजिप के बीच राजमार्ग पर हुई, जहां एक यात्री बस और आपात टीम को ले जा रहे वाहन के बीच टक्कर हो गई। आपात टीम मारडिन प्रांत के डेरिक जा रही थी। गृह मंत्री सुलेमान सोयुलू ने बताया कि इस घटना में तीन दमकलकर्मी, दो चिकित्साकर्मी और दो पत्रकार समेत 15 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में से आठ लोग बस में सवार थे। खबर के मुताबिक दुर्घटना में शामिल लोगों की मदद करने के लिए गए उसके दो पत्रकार भी इस हादसे में मारे गए हैं। टेलीविजन फुटेज में हादसे के बाद एक एंबुलेंस का पीछे का हिस्सा गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त दिखा और बस राजमार्ग के किनारे की तरफ मुड़ गई। गाजिअनटेप के गवर्नर दावुत गुल ने कहा कि घटना में 22 लोग घायल हो गए। एक अन्य हादसा डेरिक में हुआ जब एक ट्रक का ब्रेक फेल हो जाने से उसने दो वाहनों को टक्कर मार दी। इस बीच, घटनास्थल पर पहुंची आपात टीम और उपस्थित भीड़ को एक अन्य ट्रक ने टक्कर मार दी। सोयुलू ने बताया कि डेरिक में हुए हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई और 26 अन्य घायल हो गए। मामले में दो चालकों को हिरासत में लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। सड़क सुरक्षा के मामले में तुर्की का रिकॉर्ड खराब रहा है। सरकार के मुताबिक, पिछले साल सड़क हादसों में 5,362 लोगों की मौत हुई थी।

भूटान भी भारी आर्थिक संकट में फंसा

भूटान । भूटान इन दिनो आर्थिक संकट से जूझ रहा है। विदेशी मुद्रा के संकट को देखते हुए भूटान ने कृषि मशीनरी, हेवी अर्थ मूविंग मशीनों, सभी वाहनों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। भूटान की अर्थव्यवस्था में तेजी के साथ गिरावट आई है। इस स्थिति से निपटने के लिए भूटान सरकार ने आयात को प्रतिबंधित करने का निर्णय लिया है। भूटान ने अर्थव्यवस्था और विदेशी मुद्रा संकट की स्थिति को देखते हुए त्वरित निर्णय लेना शुरू कर दिया है। लगता है, श्रीलंका की हालत को देखते हुए भूटान ने समय रहते अर्थव्यवस्था को नियंत्रित करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं। भारत बेपरवाह वलभारत का अंतरराष्ट्रीय व्यापार संतुलन बिगड़ा हुआ है। रुपए के मूल्य में लगातार डॉलर के मुकाबले गिरावट हो रही है। आयात अधिक हो रहा है, निर्यात कम हो रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार में भी हर सप्ताह गिरावट देखने को मिल रही है। इसके बाद भी भारत सरकार ने अभी तक अपने आयात- निर्यात व्यापार को संतुलित करने की कोशिश नहीं की।

फिनलैंड में प्रधानमंत्री के लीक वीडियो को लेकर विवाद उपजा

हेलसिंकी । फिनलैंड में लीक हुए एक वीडियो में प्रधानमंत्री सना मारिन एक निजी पार्टी में दोस्तों के साथ नाचती और गाती नजर आ रही हैं, जिससे जनता के बीच यह बहस शुरू हो गई है कि सर्वोच्च पद पर आसीन व्यक्ति के लिए ऐसा आचरण कितना उपयुक्त है और वो भी यूक्रेन पर पड़ोसी देश रूस के हमले के वक्त। वीडियो में 36 वर्षीय मारिन कैमरे को पोज देती हैं। इस दौरान वह अच्छा समय बिताती हैं। फिनलैंड और पूरी दुनिया में पार्टी करने वाले युवा और कम उम्र के लोग सोशल मीडिया पर रोजाना ऐसे ही अनगिनत वीडियो साझा करते हैं लेकिन लीक वीडियो ने फिनलैंड के लोगों के बीच एक बहस शुरू कर दी है कि प्रधानमंत्री के लिए किस स्तर की मौज मस्ती उपयुक्त है, विशेष रूप से यूक्रेन पर पड़ोसी रूस के हमले को देखते हुए, जिसने लंबे समय से तटस्थ फिनलैंड और स्वीडन को नाटो सदस्यता के लिए आवेदन करने के लिए प्रेरित किया है। मध्यमार्गी-वामपंथी सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी का नेतृत्व करने वाली मारिन को पार्टी के बारे में सवालों की बौछार का सामना करना पड़ा है- क्या पार्टी में मादक पदार्थ थे? शराब थी? वह काम कर रही थीं या गर्मी की छुट्टी पर थीं? क्या प्रधानमंत्री इतने होश में थीं कि किसी आपात स्थिति से निपटने में वह सक्षम थीं? पार्टी में जाहिर तौर पर किसी ने यह वीडियो बनाया था जो सोशल मीडिया पर लीक हो गया और इस हफ्ते फिनलैंड की मीडिया का इस पर ध्यान आकर्षित किया।

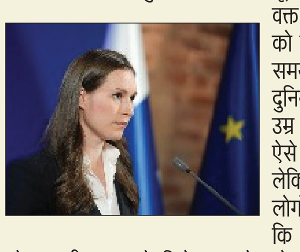

इंडोनेशिया में मंकीपॉक्स का पहला मरीज मिला

जकार्ता । इंडोनेशिया में मंकीपॉक्स का पहला मामला सामने आया है। राजधानी जकार्ता में रहने वाले 27 वर्षीय युवक में मंकीपॉक्स संक्रमण की पुष्टि हुई है। वह आठ अगस्त को विदेश यात्रा से इंडोनेशिया लौटा था। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा ?कि युवक में पांच दिन बाद मंकीपॉक्स के लक्षण उभरने लगे। हाल ही में जांच रिपोर्ट में उसमें संक्रमण की पुष्टि हो गई। वह अपने घर में पृथक रह रहा है। जानकारी के मुताबिक मंकीपॉक्स एक ऐसा संक्रमण है, जो 20 दिन बाद ठीक हो जाता है, बशर्ते मरीज में पहले से कोई स्वास्थ्य समस्या न हो। सरकार को मंकीपॉक्स का प्रसार रोकने के लिए फिलहाल सामुदायिक स्तर पर कोई प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं नजर आ रही है। वैश्विक स्तर पर लगभग 90 देशों में मंकीपॉक्स के 31,000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। पिछले महीने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स संक्रमण को वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था।

ब्रिटेन- पीएम की दौड़ में पिछड़े ऋषि सुनक को जन्माष्टमी के बाद मिला माइकल गोव का साथ, चमत्कार की उम्मीद

लंदन । ब्रिटेन में इन दिनों भारतीय मूल के ऋषि सुनक की चर्चा जोरो पर है वे यहां के प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में शामिल है और विदेश मंत्री लिज़ ट्रस के उनका मुकाबला है। ऋषि सुनक लगातार कहते रहे हैं कि वह जनता को खुश करने के लिए कोई वादा नहीं कर सकते। ऋषि लगातार कहते रहे हैं कि टैक्स में कटौती नहीं की जा सकती। वहीं, लिज़ ट्रस अपने भाषणों में पीएम बनने के बाद तुरंत टैक्स छूट का वादा कर रही है, जिसे ऋषि सुनक एक खराब फैसला बताते आए हैं। अब ऋषि सुनक को कंजर्वेटिव पार्टी के एक वरिष्ठ सांसद और टोरी सदस्य का समर्थन मिला है। पूर्व मंत्री माइकल गोव ने कहा है कि ऋषि सुनक के पास वह क्वालिटी है जो प्रधानमंत्री बनने के लिए चाहिए।

माइकल गोव को नाटकीय रूप से पिछले महीने निवर्तमान प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने बर्खास्त कर दिया था। गोव ने प्रधानमंत्री बनने की रेस में आगे चल रहीं, लिज़ ट्रस की कर-कटौती योजना को वास्तविकता से परे बताया। उन्होंने कहा कि नेतृत्व के मामले में ऋषि सुनक ही सही तर्क दे रहे हैं। वही हैं जो मतदाताओं को सच बता रहे हैं। गोव ने लिखा, 'मुझे पता है कि प्रधानमंत्री बनने के लिए क्या क्वालिटी चाहिए और ऋषि के पास वह है।'

जन्माष्टमी के ठीक बाद लिखे लेख में गोव ने कहा, 'इससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है कि आने वाली सरकार अपनी केंद्रीय आर्थिक योजना के रूप में क्या अपनाएगी। मैं इस बात को लेकर चिंतित हूं कि कई लोगों द्वारा नेतृत्व की बहस वास्तविकता से अलग है। कॉस्ट ऑफ लिविंग एक चुनौती है, लेकिन इसके लिए सबसे आसान जवाब करों में कटौती नहीं हो सकता है।'

कनाडा में रिचमंड मैरीटाइम फेस्टीवल में भाग लेने के लिए पहुंचे प्रतिभागी।

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा कोरोना वायरस से संक्रमित, पीएम मोदी ने जल्द स्वस्थ होने की कामना की

तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए और ठीक होने तक उन्होंने अपने आगामी दौरे को रद्द कर दिया है। जापानी मीडिया की खबरों में कहा गया है कि किशिदा (65) को शनिवार देर रात बुखार और खांसी हुई तथा रविवार को उनमें संक्रमण की पुष्टि हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से फिलहाल इस पर टिप्पणी नहीं की गई है। प्रधानमंत्री पिछले सप्ताह गर्मी की छुट्टी पर थे और सोमवार को काम पर लौटने वाले थे। यह स्पष्ट नहीं है कि वह कहां और कैसे संक्रमित हुए। लोक प्रसारक 'एनएचके' के अनुसार, किशिदा इस महीने के अंत में ट्यूनीशिया में अफ्रीकी विकास पर एक सम्मेलन में नहीं जा पाएंगे, लेकिन इसमें डिजिटल तरीके से भाग लेंगे तथा उन्होंने पश्चिम एशिया की अपनी यात्रा स्थगित कर दी। जापान में हाल के समय में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी हुई है हालांकि, किशिदा समेत अधिकतर लोग टीका ले चुके हैं। हाल में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन भी कोरोना वायरस से संक्रमित हुए थे।

काट्सा पर भारत के लिए झुका अमेरिका, सामने आई रूस की कमजोरी: दिमित्री सुगाएव

मॉस्को (एजेंसी)।

काट्सा से भारत को मिली छूट को लेकर रूस ने अमेरिका पर सवाल उठाया है। रूस ने कहा कि भारत के लिए अमेरिका द्वारा लिए गए इस फैसले ने अमेरिका की कमजोरी जाहिर कर दी है। खास बात है कि पश्चिम के कड़े प्रतिबंधों का सामना कर रहे रूस के हथियार निर्यात मामले में भुगतान खासे प्रभावित हो रहे हैं। रूस ने इन प्रतिबंधों पर भी सवालिया निशान लगाए हैं। रूस के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा है कि एस 400 खरीद के लिए भारत को प्रतिबंधों से राहत देना अमेरिका की कमजोरी को दिखाता है।

अमेरिका में हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव ने उस संशोधन को मंजूरी दी थी, जिसमें भारत को काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शन्स एक्ट यानी काट्सा के तहत प्रतिबंधों से जुलाई में छूट दी गई थी। रूस के फेडरल सर्विस फॉर मिलिट्री-टेक्निकल कॉपरेशन (एफएसएमटीसी) के प्रमुख दिमित्री सुगाएव ने कहा, भारत और रूस के बीच एस-400 की सप्लाई के लिए हुए कॉन्ट्रैक्ट को अमेरिका ने रूसी हथियारों के के खिलाफ लगे प्रतिबंधों का उल्लंघन बताया था।

अमेरिकी पक्ष ने किस वजह से अपना फैसला बदला? मुझे नहीं पता लेकिन संभावनाएं हैं कि इसकी वजह उनकी कमजोरी है। इसी सिस्टम को लेकर तुर्की पर प्रतिबंध लगाए गए थे। रूसी निर्यात की देखरेख करने वाले सुआगेव ने कहा पश्चिमी प्रतिबंध अनुचित कारोबार के बराबर हैं। साथ ही यह %स्वतंत्र राष्ट्रों के अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के संप्रभु अधिकार का हनन है। प्रतिबंधों को लेकर उन्होंने कहा कि नया उत्पादन और लॉजिस्टिकल चेन स्थापित की गई हैं। खबरें थी कि पश्चिम की तरफ से लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के चलते भुगतान प्रक्रिया मुश्किल हो गई थी।

सलमान रुश्दी पर दिए बयान को लेकर इमरान खान की सफाई, कहा- हमले से संबंधित मेरी बात को गलत अर्थ में लिया गया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को दावा किया कि लेखक सलमान रुश्दी की हत्या के प्रयास के बारे में एक ब्रिटिश अखबार को दिए गए उनके बयान का गलत अर्थ निकाला गया। रुश्दी (75) पर गत सप्ताह लेबनानी मूल के अमेरिकी नागरिक 24 वर्षीय हादी मातर ने चाकू से हमला कर दिया था। द गार्डियन अखबार को दिए एक साक्षात्कार में खान ने रुश्दी पर किए गए हमले की निंदा की थी और दावा किया था कि लेखक के प्रति मुसलमानों का गुस्सा जायज है लेकिन हमले को सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि, पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ के अध्यक्ष के आधिकारिक ट्विटर खाते से दावा किया गया कि इमरान के बयान को गलत अर्थ में लिया गया। एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार के मुताबिक, इमरान ने 2012 में भारत में एक सम्मेलन में भाग लेने से इसलिए इनकार कर दिया था क्योंकि उसमें रुश्दी शामिल होने वाले थे। उन्होंने कहा, ''साक्षात्कार में मैंने ईशनिंदा करने वालों को सजा देने के इस्लामी तरीके को समझाया था।

राजपक्षे स्वदेश लौंटे, पर उन पर चलाया जाए धन के दुरुपयोग का मामला: अजीत पी. परेरा

हेलसिंकी (फिनलैंड) (एजेंसी)।

कोलंबो (ईएमएस)। श्रीलंका के मुख्य विपक्षी दल समागी जना बालवेगया (एसजेबी) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अजीत पी. परेरा ने कहा कि देश के पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को देश लौटने का अधिकार है, क्योंकि वह श्रीलंका के नागरिक हैं। लेकिन धन के दुरुपयोग के आरोपों के लिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए। राजपक्षे (73) देश छोड़कर चले गए हैं और देश की अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन के लिए सरकार के खिलाफ हुए विद्रोह के कारण उन्होंने पिछले महीने इस्तीफा दे दिया था।

एसजेबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अजीत पी. परेरा ने कहा गोटबाया राजपक्षे इस देश के नागरिक हैं और उन्हें अपनी मातृभूमि लौटने का अधिकार है। इस अधिकार से कोई इनकार नहीं कर सकता। लेकिन, धन के दुरुपयोग के आरोपों के लिए उन पर मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

श्रीलंका का संविधान पूर्व राष्ट्रपतियों को व्यक्तिगत सुरक्षा और कर्मचारियों के साथ एक कार्यालय सहित विशेषाधिकार देता है। परेरा ने कहा उनके खिलाफ अपने माता-पिता के स्मारक के लिए राजकीय कोष को कथित रूप से खर्च करने का मामला था। उन्हें मुकदमे का सामना करना होगा और दोषी पाए जाने पर दंडित किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें संविधान के अनुसार कानूनी छूट नहीं है। एसजेबी ने राजपक्षे की सरकार पर भारत द्वारा प्रदान की गई एक अरब अमेरीकी डॉलर की ऋण सुविधा का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है जो कि वित्तीय सहायता के तहत नकदी की कमी वाले राष्ट्र को अपने अभूतपूर्व आर्थिक संकट से निपटने में मदद करने के लिए दी गई थी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राजपक्षे अमेरिका के ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं, क्योंकि वह अपनी पत्नी लोमा राजपक्षे के अमेरिकी नागरिक होने के कारण आवेदन करने के योग्य हैं। राजपक्षे ने 2019 का राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अपनी अमेरिकी नागरिकता त्याग दी थी।

रूस ने क्रीमिया में यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए, यूक्रेन ने भी हमले तेज किए

कीव (एजेंसी)।

रूसी प्राधिकारियों ने शनिवार को क्रीमिया में यूक्रेन के ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया। रूसी सेना ने यूक्रेन के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में भी हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया कि रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन में कुछ शहरों में से एक पर कब्जा जमाने के प्रयासों को आगे बढ़ाया, जो पहले से ही उनके नियंत्रण में नहीं है। रूस ने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया छीना था। क्रीमिया में रूसी प्राधिकारियों ने बताया कि स्थानीय वायु रक्षा बलों ने सेवस्तोपोल में 'रशियन ब्लैक सी फ्लीट' के मुख्यालय पर एक ड्रोन को मार गिराया। यह तीन सप्ताह में मुख्यालयों पर ड्रोन को मार गिराने की दूसरी घटना है।

क्रीमिया के गवर्नर सर्गेइ अक्सियोनोव के सहायक ओलेग क्रायुचकोव ने शनिवार को यह भी कहा कि पश्चिमी क्रीमिया में ''छोटे ड्रोनों से हमले'' किए गए। गवर्नर ने टेलीग्राम पर कहा, ''वायु रक्षा प्रणालियों ने शनिवार सुबह क्रीमिया पर सभी ड्रोनों को सफलतापूर्वक निशाना बनाया। जान या माल का कोई नुकसान नहीं हुआ है।'' ये घटनाएं क्रीमिया में रूसी सेना की कमजोरियों को उजागर करती हैं। रूस के काला सागर के नौसेना मुख्यालय पर 31 जुलाई को एक ड्रोन हमले में पांच लोग घायल हो गए थे। इस सप्ताह क्रीमिया में रूस के एक गोला बारुद के गोदाम में विस्फोट हुआ था। पिछले सप्ताह क्रीमिया में वायु सेना के एक अड्डे पर रूस के नौ युद्धक विमानों को नष्ट कर दिया गया था।

यूक्रेनी प्राधिकारियों ने इन हमलों की सार्वजनिक तौर पर जिम्मेदारी लेना बंद कर दिया है। लेकिन राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने क्रीमिया में हमलों के लिए यूक्रेनी सेना के जिम्मेदार होने का संकेत दिया है। इस बीच, हाल के सप्ताहों में क्रीमिया के उत्तर में दक्षिणी यूक्रेनी क्षेत्रों में लड़ाई तेज हो गयी है। यूक्रेनी सेना ने रूस को उन शहरों से खदेड़ने की कोशिश की है, जहां पर उन्होंने छह महीने पुराने युद्ध के शुरुआत से ही कब्जा जमा रखा है। यूक्रेन के अभियोजक कार्यालय ने बताया कि मायकोलेव क्षेत्र के वोजनेसेंस्क शहर में शनिवार को रूस के मिसाइल हमले में तीन बच्चों समेत 12 लोग घायल हो गए और कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए। दो बच्चों की हालत गंभीर है और एक बच्चे ने एक आंख गंवा दी है। वहीं, यूक्रेन के हवाई हमले भी जारी हैं। उसने जापोरिज्जिया क्षेत्र में रूस के कब्जे वाले शहर मेलितोपोल में हमले किए। यूक्रेनी सेना ने शनिवार को कहा कि उसने रूस की एक रडार प्रणाली और अन्य उपकरण तबाह कर दिए।

यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र पर बमबारी ने पैदा किए कई खतरे

लंदन (एजेंसी)।

(द कन्वरसेशन) रूस के कब्जे वाले झापोरिज्जिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र में हाल में बमबारी तेज होने से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गयी हैं। यूक्रेनी कर्मी सख्त नियंत्रण और दबावपूर्ण स्थितियों में इस बड़े संयंत्र का संचालन कर रहे हैं। रूस और यूक्रेन हमले जारी रहने और नुकसान के लिए एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इस संघर्ष में गलत सूचनाओं और फर्जी खबरों ने एक अहम भूमिका निभायी है और इसलिए अभी यह पता नहीं है कि हालात क्या हैं। अभी इसकी संभावना नहीं लगती कि दोनों पक्षों में से कोई भी यूरोप के सबसे बड़े परमाणु संयंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचाना चाहेगा, जिससे कि रेडियोधर्मी पदार्थ का रिसाव हो।

संयंत्र में काम करने वाले यूक्रेनी कर्मियों ने दावा किया कि रूस जानबूझकर गैर-महत्वपूर्ण उपकरणों को निशाना बना रहा है। परमाणु संयंत्र पर जानबूझकर हमला किए जाने से अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन होगा। यह संयंत्र चेर्नोबिल की तरह नहीं है, जो दुनिया की सबसे बड़ी परमाणु आपदा वाली जगह है। चेर्नोबिल एक पुराने रिएक्टर की तरह था। झोपोरिज्जिया की तरह इसे भी पानी से ठंडा किया जाता है, लेकिन इसमें 'न्यूट्रोन अनुशोधन' के लिए बड़ी मात्रा में ग्रेफाइट मौजूद होता है। 'न्यूट्रोन अनुशोधन' रिएक्टर के संचालन के लिए अनिवार्य होता है। जब चेर्नोबिल रिएक्टर अत्यधिक गर्म होता है तो पानी गर्म हो जाता है और शीतलन की दृष्टि से कम प्रभावी हो जाता है।

हालांकि, ग्रेफाइट लगातार न्यूट्रोन्स का अनुशोधन करता रहता है, जिससे रिएक्टर पावर सक्रिय और तापमान अनियंत्रित हो जाता है। झोपोरिज्जिया में दुनियाभर के रिएक्टरों की तरह अगर कोई रिएक्टर अत्यधिक गर्म होता है तो कूलिंग और अनुशोधन दोनों ही कम हो जाता है और इसलिए रिएक्टर ऊर्जा भी कम हो जाती है। परमाणु इंजीनियर इसे रिएक्टर के सुरक्षित डिजाइन के लिए अहम मानते हैं। लेकिन अगर हमलों में परमाणु सामग्री या सुरक्षा के लिए अहम उपकरणों को नुकसान पहुंचता है तो रिएक्टर विनाशकारी हो सकता है। इससे बड़ी मात्रा में हानिकारक परमाणु सामग्री हवा में घुलती है, जिससे बड़े पैमाने पर जमीन और जल आपूर्ति दूषित होने का खतरा होता है।

संयंत्र उच्च क्षमता वाली इमारतों से घिरे होते हैं। इन्हें संयंत्र के भीतर और बाहर धमाकों से बचाने के लिए बनाया जाता है। हालांकि, आधुनिक संयंत्रों को विमान से किए जाने वाले हमलों से बचाने के लिए बनाया गया है। सबसे बड़ी चिंता बाहर ईंधन के लिए बने कूलिंग पूल हैं, जहां अत्यधिक रेडियोधर्मी पदार्थ का पानी में भंडार किया जाता है। इनमें से किसी पर भी अगर सीधे हमला किया जाता है तो रेडियोधर्मी पदार्थ के वातावरण में फैलने की आशंका होती है। परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बंद होने के बाद भी पम्प और पाइप जैसे सुरक्षा उपकरण अहम होते हैं। झापोरिज्जिया के छह रिएक्टरों में से तीन अभी बंद हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

बिहार के दिहाड़ी मजदूर को मिला 37.5 लाख रुपये का आयकर का नोटिस

खगड़िया (बिहार)। जिले के एक दिहाड़ी मजदूर के लिए आयकर विभाग से 37.5 लाख रुपये का बकाया भुगतान की नोटिस मिलना बिलकुल वैसा ही अनुभव था जैसा बिना बारिश के बाढ़ आना हो। रोजाना करीब 500 रुपये कमाने वाले खगड़िया जिले के मघौना गांव निवासी गिरीश यादव ने इस संबंध में अपने इलाके के पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करायी है। अलौली थाना के प्रभारी पुरेंद्र कुमार ने बताया, ''हमने मामला दर्ज कर लिया है और गिरीश द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया यह धोखाधड़ी का मामला लगता है।'' उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता को उसके नाम से जारी पैन नंबर के आधार पर नोटिस मिला है। उन्होंने कहा, ''गिरीश का कहना है कि वह दिल्ली में मजदूरी का काम करता है जहां उसने एक बार एक दलाल के जरिए पैन कार्ड बनवाने की कोशिश की थी पर उसके बाद उससे कभी नहीं उसकी मुलाकात हुई।'' थाना अध्यक्ष ने कहा, ''इसके अलावा नोटिस में गिरीश को राजस्थान स्थित एक कंपनी से जुड़े होने की बात कही गई है। लेकिन उनका कहना है कि वह वहां (राजस्थान) कभी गया ही नहीं।

भीषण सूखे के आसन्न खतरे के चलते कर्नाटक सरकार पानी के दुरुपयोग पर लगा सकती है जुर्माना

बेंगलुरु। देश में भले कई राज्यों में भारी बारिश हो रही हो पर कर्नाटक में रूठे मानसून के चलते भीषण सूखा का आसन्न खतरा मंडराने लगा है। राज्य का करीब 61 प्रतिशत इलाका सूखा प्रभावित क्षेत्र में आता है। राज्य की जल नीति 2022 में आगाह किया गया है कि आने वाले वक्त में बारिश में कमी के कारण राज्य में सूखा प्रभावित क्षेत्र बढ़ेंगे, जो गंभीर चिंता का विषय है। कर्नाटक पिछले दो दशक में 15 वर्षों से अधिक समय तक सूखे से ग्रस्त रहा है। ऐसे में भविष्य में राज्य के लिए हालात और चुनौतीपूर्ण होने की आशंका है, क्योंकि विभिन्न परियोजनाओं के लिए पानी की मांग बढ़ेगी और भूजल का स्तर पहले से ही घट रहा है। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि चुनौती से निपटने के लिए जल नीति में कई पहलों का जिक्र किया गया है, जिनमें पानी के बेजा इस्तेमाल पर जुर्माना लगाना और भूजल निकालने पर रोक आदि शामिल हैं। जल संसाधन विभाग के इन प्रस्तावों का मकसद जल संसाधन प्रबंधन को मजबूत करना और राज्य के सीमित जल संसाधन का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल सुनिश्चित करना है। राज्य मंत्रिमंडल ने हाल ही में इस नीति को मंजूरी दी है। नीति में कहा गया है, 'कर्नाटक के जलवायु परिवर्तन अध्ययनों ने संकेत दिया है कि राज्य में लंबे समय तक गर्मी रहने और वर्षा बेहद कम होने के आसार हैं। ऐसे में सूखा प्रभावित क्षेत्र बढ़ेगा।' इसमें कहा गया है, ''खरीफ के मौसम में उत्तर के अधिकतर जिलों में सूखे की घटनाओं में 10 से 80 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। वहीं, कुछ जिलों में सूखे की घटनाएं लगभग दोगुनी हो सकती हैं। भारी वर्षा के कारण प्रत्येक वर्ष बाढ़ आना सामान्य बात होती जा रही है।'' विभाग ने नीति में कहा, 'राज्य में सिंचाई के लिए भूजल अहम स्रोत है। राज्य में 56 प्रतिशत क्षेत्र में भूजल से सिंचाई होती है। ऐसे में भूजल स्तर का गिरना और इसमें प्रदूषण बढ़ना चिंता का मुख्य विषय है।' नीति के अनुसार, राज्य सरकार शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलू इस्तेमाल के लिए उपयुक्त गुणवत्तापूर्ण पानी की प्रतिदिन 24 घंटे आपूर्ति के लिए पेयजल आपूर्ति कार्यक्रम चलाएगी।

अशोक गहलोत के मंत्री ने करवा चौथ को लेकर दिया विवादित बयान, भाजपा ने की कार्रवाई की मांग

जयपुर। राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार में मंत्री गोविंद राम मेघवाल ने करवा चौथ को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्य है कि आज भी करवा चौथ पर महिला छलनी देखती है और पति की उम्र लंबी करने की बात करती है... गोविंद राम मेघवाल की इस टिप्पणी के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गहलोत सरकार पर हमलावर है। समाचार एजेंसी ने गहलोत सरकार में मंत्री गोविंद राम मेघवाल का वीडियो साझा किया। जिसके मुताबिक, गोविंद राम मेघवाल ने कहा कि चीन में 80 फीसदी से ज्यादा महिलाएं हैं, अमेरिका में 50 फीसदी महिलाएं काम करती हैं इसलिए वे देश विज्ञान की दुनिया में जी रहे हैं। दुर्भाग्य है कि आज भी करवा चौथ पर महिला छलनी देखती है और पति की उम्र लंबी करने की बात करती है..
इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पति कभी भी पत्नी की लंबी उम्र के लिए छलनी नहीं देखता है। लोग अंधविश्वास में जी रहे हैं, लोग धर्म, जाति के नाम पर लड़ रहे हैं। गोविंद राम मेघवाल के इस बयान को लेकर भाजपा ने उनसे माफी की मांग की है। इसके साथ ही अशोक गहलोत से अपने मंत्री के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की है।

गेट खोलने में देर हुई तो महिला ने गार्ड को सुनाई गालियां, मालीवाल ने की कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। श्रीकांत त्यागी के बाद गालीबाज महिला का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो नोएडा के 126 सेक्टर के जेपी सोसाइटी का है। जहां रहने वाली एक महिला गार्ड को भद्दी-भद्दी गालियां दे रही है। इसी बीच दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने महिला के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।
स्वाति मालीवाल ने गालीबाज महिला का वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्विटर' पर साझा किया है और नोएडा पुलिस से इस महिला के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने ट्वीट किया कि महिला सरेआम गार्ड से इतनी गुंडागर्दी और गाली गलौज कर रही है। नोएडा पुलिस ने गालीबाज महिला का वीडियो वायरल होने के बाद उसे हिरासत में लिया है। महिला से पूछताछ की जा रही है। महिला का नाम भव्या राय बताया जा रहा है। वायरल हो रहे वीडियो में दिखाई दे रहा है कि महिला ने गार्ड के साथ धक्का-मुक्की की और फिर भद्दी-भद्दी गालियां देने लगी। कहा जा रहा है कि गार्ड को गेट खोलने में थोड़ी देरी हो गई थी, जिसके बाद महिला ने अपना आपा खो दिया और अभद्रता करने लगी।

असम में गोलपारा से अल-कायदा के 2 संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार, पूछताछ में किए कई अहम खुलासे

गुवाहाटी। असम पुलिस ने गोलपारा से अल-कायदा भारतीय उपमहाद्वीप (एक्यूआईएस) और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) आतंकवादी समूहों से जुड़े दो संदिग्ध दहशतगर्दों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान मोरनोई थाने के तिनकुनिया शांतिपुर मस्जिद के इमाम अब्दुस सुभान और गोलपारा के मटिया थाना अंतर्गत तिलपारा नतुन मस्जिद के इमाम जलालुद्दीन शेख के रूप में हुई है। गोलपारा जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) राकेश रेड्डी ने कहा कि दोनों संदिग्धों को घंटों पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया। एसपी ने बताया हमें इस साल जुलाई में गिरफ्तार अब्बास अली से इनपुट मिला है, जो जिहादी तत्वों से भी जुड़ा हुआ है। पूछताछ के दौरान हमने पाया कि वे असम में एक्यूआईएस/एबीटी के बारपेटा और मोरीगांव मॉड्यूल से सीधे जुड़े हुए थे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी व्यक्तियों की घर की तलाशी के दौरान अल-कायदा, जिहादी तत्वों से जुड़ी कई आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद हुई हैं। इनमें पोस्टर्स, किताबें, मोबाइल फोन, सिम कार्ड, आईडी कार्ड और अन्य दस्तावेज शामिल हैं। राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्होंने आरोपियों ने बांग्लादेश से यहां आए जिहादी आतंकवादियों को भी शरण दी। उन्होंने कहा कई बांग्लादेशी नागरिक फरार हैं और गिरफ्तार आतंकवादियों ने गोलपारा में उन आतंकवादियों को शरण दी थी। इन संदिग्धों ने दिसंबर 2019 में मटिया पुलिस थाने के तहत सुंदरपुर तिलपारा मदरसा में धर्म सभा का आयोजन किया था, जहां एक्यूआईएस से जुड़े कई बांग्लादेशी नागरिकों को बुलाया गया था।

भारत में कोविड-19 के 11,539 नए मामले, वायरस से 34 लोगों की मौत

नयी दिल्ली। भारत में रविवार को कोविड-19 के 11,539 नए मामले आने से देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,43,39,429 पर पहुंच गई, जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या 1,01,166 से घटकर 99,879 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में संक्रमण से 34 और मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5,27,332 हो गई है। वहीं, उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.23 प्रतिशत है, जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वालों की राष्ट्रीय दर 98.59 फीसदी है। आंकड़ों के मुताबिक, संक्रमण की दैनिक दर 3.75 फीसदी और साप्ताहिक दर 3.88 प्रतिशत दर्ज की गई है। देश में इस महामारी को मात देने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,37,12,218 हो गई है, जबकि मृत्यु दर 1.19 फीसदी है।

जमीन हड़पने, आय से अधिक संपत्ति व ट्रांसफर-पोस्टिंग के मामले में सुशील मोदी, बबलू और राय पर शिकंजा करेगी बिहार सरकार

पटना (एजेंसी)।

राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी, विधायक नीरज कुमार बबलू और पूर्व भूमि सुधार एवं शिक्षा मंत्री राम सूरत राय जैसे भाजपा नेताओं पर राजद ने अपना ध्यान केंद्रित किया है। सुशील मोदी जमीन हड़पने के आरोप का सामना कर रहे हैं। नीरज कुमार बबलू आय से अधिक संपत्ति के आरोपों का सामना कर रहे हैं, जबकि राम सूरत राय राज्यमंत्री रहते हुए सर्कल अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

पिछले शुक्रवार को राजद विधायक रामानंद यादव ने पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी पर जमीन हड़पने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा सुशील मोदी बिहार के सबसे 'दबंग' और 'बाहुबली' नेता हैं, जिन्होंने एक ईसाई परिवार की जमीन हड़प ली और एक मॉल बनवाया। यादव ने कहा कि सुशील कुमार मोदी ने लोदीपुर और खेतान बाजार में जमीनें हड़पी। हम उनकी पत्नी, भाई और भाई की पत्नी और भाई के नाम पर दर्ज संपत्तियों की जांच करेंगे।

यादव ने कहा लोदीपुर में जमीन के मालिक दो व्यक्ति हैं और इसका एक मालिक दिल्ली में रहता है। फिर भी सुशील मोदी ने डिप्टी सीएम रहते हुए ईसाई परिवार की जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया। परिसर में एक शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान था। हम मामले की जांच करेंगे। हालांकि, सुशील मोदी ने दावा किया कि उनका या उनके परिवार का इन दोनों जमीनों से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि राजद नेता से इन दोनों मामलों में मेरी भूमिका को साबित करने दिखाए।

सुशील मोदी ने कहा मैं राजद नेता को चुनौती देता हूं कि वह इन दोनों जमीनों से मेरे संबंध या मेरी भूमिका को साबित करें। अगर यह साबित हो जाता है, तो मैं ये जमीनें लालू प्रसाद के परिवार को देने को तैयार हूं। अगर राजद नेता साबित नहीं कर सके, तो मैं चाहता हूं कि वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। अगर ऐसा नहीं हुआ, तो मैं उसके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करूंगा।

पूर्व पर्यावरण एवं वन मंत्री नीरज कुमार बबलू आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप का सामना कर रहे हैं, जिसकी जांच आयकर विभाग कर रहा है। सूत्रों ने कहा है कि भाजपा नेता के खिलाफ जांच के लिए राजद नेता पर्दे के पीछे छिपकर आदेश जारी कर रहे हैं।

बबलू ने 2020 के विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव आयोग के पास दायर अपने हलफनामे में कथित तौर पर अपनी संपत्ति छिपाई थी। आईटी विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि उन्होंने कथित तौर पर अपनी वास्तविक आय को छुपाते हुए 2020-21 के लिए अपना आईटी रिटर्न दाखिल किया था।

कांग्रेस पार्टी के नए मुखिया के लिए चुनाव प्रक्रिया आरंभ

नई दिल्ली। संगठन को मजबूत करने की कवायद के बीच कांग्रेस में नये अध्यक्ष के लिए चुनाव की प्रक्रिया रविवार आरंभ कर दी। पार्टी के चुनाव प्राधिकरण ने कहा है कि वह 20 सितंबर तक नया प्रमुख चुने जाने के कार्यक्रम पर अडिग रहेगा। कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की अंतिम तारीख को मंजूरी देना कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) पर निर्भर है, जो 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच कोई भी दिन हो सकता है। सीडब्ल्यूसी ने फैसला किया था कि 16 अप्रैल से 31 मई, 2022 तक प्रखंड समितियों और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के एक-एक सदस्य के लिए चुनाव होंगे।

जिला समिति के अध्यक्ष और कार्यकारिणी का चुनाव एक जून से 20 जुलाई के बीच, पीसीसी प्रमुखों तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) सदस्यों का चुनाव 21 जुलाई से 20 अगस्त 2022 के बीच और एआईसीसी के अध्यक्ष का चुनाव 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच होना। मिस्त्री ने कहा, 'हम कार्यक्रम पर अडिग रहेंगे। हम पहले ही पार्टी नेतृत्व को चुनाव कार्यक्रम भेज चुके हैं और सीडब्ल्यूसी की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं, जो कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की अंतिम तारीख तय करेगी।' यह पूछे जाने पर कि क्या प्रखंड, जिला और प्रदेश कांग्रेस समितियों के स्तर पर संगठनात्मक चुनाव संपन्न हो गए हैं, इसके जवाब में उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हालांकि, मिस्त्री ने कहा कि चुनाव प्राधिकरण एआईसीसी प्रतिनिधियों के चयन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। ये प्रतिनिधि पार्टी के शीर्ष पद के लिए होने वाले महत्वपूर्ण चुनाव में मतदान करेंगे। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) चुनाव की अंतिम तारीख को मंजूरी देगी।'

तेलंगाना के मंत्री केटीआर ने 'परिवारवाद' को लेकर अमित शाह पर निशाना साधा

हैदराबाद (एजेंसी)।

तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष एवं मंत्री के टी रामाराव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि एक ''बेहतरीन क्रिकेटर'' के पिता तेलंगाना का दौरा कर रहे हैं। शाह मुनुगोड़े में एक जनसभा सहित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए यहां पहुंचे हैं। रामा राव ने मुनुगोड़े विधानसभा सीट से विधायक के तौर पर हाल में इस्तीफा देने वाले के. राजगोपाल रेड्डी का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि दौरे पर आए गणमान्य व्यक्ति ''उस सज्जन के लिए प्रचार भी करेंगे, जिनका भाई एक सांसद है।''

रेड्डी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने वाले हैं। रामा राव ने ट्वीट किया, ''जमीनी स्तर पर काम करके ऊपर तक पहुंचे और (केवल योग्यता के आधार पर) बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड) सचिव बने ''बेहतरीन क्रिकेटर'' के पिता आज तेलंगाना का दौरा कर रहे हैं।

वह एक ऐसे सज्जन के लिए प्रचार करेंगे, जिनका भाई सांसद है और जिनकी पत्नी विधान परिषद की सदस्य बनने की उम्मीदवार रही हैं और वह (अमित शाह) परिवारवाद पर व्याख्यान देंगे और हमारा ज्ञानवर्धन करेंगे।'' उन्होंने एक अन्य ट्वीट किया कि तेलंगाना के लोग अमित शाह सेयह जानने के लिए उत्सुक हैं कि गुजरात सरकार ने बिल्कीस बानो मामले में दोषियों को रिहा करने का फैसला क्यों किया।

भारत को दुनिया के लिये 'आदर्श समाज' बनाने की दिशा में काम कर रहा है आरएसएस : मोहन भागवत

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) समाज को जागृत एवं एकीकृत करने का काम कर रहा है ताकि भारत सम्पूर्ण विश्व के लिये एक 'आदर्श समाज' के रूप में उभर सके। भागवत ने कहा कि लोगों को समाज की सेवा के लिये सामुदायिक भाव के साथ आना चाहिए, व्यक्तिगत रूप से नहीं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की दिल्ली इकाई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने संघ के स्वयंसेवकों द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न कल्याण कार्यों का उल्लेख किया। सरसंघचालक ने कहा, '' संघ, समाज को जागृत एवं एकीकृत करने के लिये तथा एक इकाई के रूप में अधिक संगठित करने के लिये काम कर रहा है ताकि भारत सम्पूर्ण विश्व के लिये एक 'आदर्श समाज' के रूप में उभर सके। ''

उन्होंने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिये समाज के विभिन्न वर्गों से अनेक विभूतियों ने योगदान एवं बलिदान दिया। भागवत ने कहा कि भारतीयों का डीएनए और बुनियादी स्वभाव है कि वे समाज के रूप में सोचते हैं, व्यक्तिगत रूप से नहीं तथा हमें इन्हें और प्रोत्साहित करने की जरूरत है। कल्याण कार्यों का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि संघ के स्वयंसेवक बिना व्यक्तिगत हितों पर ध्यान दिये हुए सम्पूर्ण समाज के लिये काम करते हैं। उन्होंने कहा कि हमें कल्याण कार्य करते समय 'मैं और मेरा' के भाव से ऊपर उठने की जरूरत है और इससे हमें एक समाज के रूप में विकसित होने में मदद मिलेगी।

दिल्ली: जंतर-मंतर पर आज किसान संगठनों का प्रदर्शन, दिल्ली-हरियाणा सीमा पर बढ़ाई चौकसी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजधानी दिल्ली में आज सोमवार को किसान संगठन लामबंद हो जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे उससे पहले दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। दिल्ली-हरियाणा टिकरी बॉर्डर पर पुलिस ने बैरिकेड्स लगा दिए हैं। दरअसल सोमवार को किसानों ने यहां प्रदर्शन का ऐलान किया है, जिसके लिए वे कल राष्ट्रीय राजधानी पहुंचना शुरू कर देंगे।

इससे पहले संयुक्त किसान मोर्चा ने 18 अगस्त से यूपी के लखीमपुर-खीरी मामले को लेकर 75 घंटे का धरना-प्रदर्शन शुरू किया है जिसमें उन्होंने अपनी लंबित मांगों को पूर्ण करने की मांग की है। 40 किसान समूह के इस संगठन ने प्राथमिक तौर पर न्यूनतम समर्थन मूल्य को लागू करने की मांग की है। 31 जुलाई को केंद्र सरकार के वादाखिलाफी के विरोध में पंजाब में किसानों ने अमृतसर, भटिंडा, अंबाला, पंचकुला और कैथल में रेलवे ट्रैक को जाम करके विरोध प्रदर्शन किया। लखीमपुर खीरी की राजापुर कृषि मंडी में भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत इस प्रदर्शन में शामिल हुए। दरअसल, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी की बर्खास्तगी और तिकुनिया हिंसा कांड में जेल में बंद किसानों की रिहाई की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया जा रहा है।

ज्ञात हो कि केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी के बेटे आशीष को लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में गिरफ्तार किया गया था। पिछले साल 3 अक्टूबर को हिंसा के दौरान चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हो गई थी। किसान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध कर रहे थे।

सुबह उठते ही पीएम मोदी सीबीआई-ईडी का शुरू कर देते हैं खेल, ऐसे कैसे होगा देश का विकास: केजरीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी सुबह उठकर सीबीआई और ईडी का खेल शुरू कर देते हैं। ऐसे में देश कैसे तरक्की करेगा।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ऐसे समय जब आम इंसान महंगाई से जूझ रहा है, करोड़ों की संख्या में युवा बेरोजगार हैं, केंद्र सरकार को सभी राज्य सरकारों के साथ मिलकर बेरोजगारी और महंगाई से लड़ना चाहिए। उसकी बजाय ये पूरे देश से लड़ रहे हैं। रोज सुबह उठकर सीबीआई-ईडी का खेल शुरू कर देते हैं। ऐसे देश कैसे तरक्की करेगा? मनीष सिसोदिया ने सीबीआई के लुकआउट नोटिस को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आपकी सारी रेड फेल हो गयी, कुछ नहीं मिला, एक पैसे की हेरा फेरी नहीं मिली, अब आपने लुकआउट नोटिस जारी किया है कि मनीष सिसोदिया मिल नहीं रहा। ये क्या नौटंकी है मोदी जी? मैं खुलेआम दिल्ली में घूम रहा हूं, बताइए कहां आना है? आपको मैं मिल नहीं रहा?

अब आनंद शर्मा ने कांग्रेस को दिया झटका, संचालन समिति के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कांग्रेस राज्यों में संगठन को मजबूत करने की कवायद करती है वैसे ही उसे झटका लग जाता है। अब हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस के दिग्गज नेता आनंद शर्मा ने बड़ा झटका दिया है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश कांग्रेस की संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। सूत्रों ने बताया है कि पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे पत्र में शर्मा ने कहा है कि वह अपने आत्मसम्मान से समझौता नहीं कर सकते और इसलिए इस्तीफा दे रहे हैं। शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष से कहा है कि परामर्श प्रक्रिया में उन्हें नजरअंदाज किया गया। हालांकि उन्होंने सोनिया से यह जरूर कहा है कि वह राज्य में पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार जारी रखेंगे। जी-23 नेताओं में रहे शर्मा के इस्तीफे के कई मायने निकाले जा रहे हैं। अभी ज्यादा दिन नहीं हुए जब गुलाम नबी आजाद ने जम्मू-कश्मीर प्रचार समिति का अध्यक्ष बनाए जाने के कुछ घंटे बाद ही इस्तीफा दे दिया था। गुलाम के बारे में बताया गया कि उन्होंने स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया। हालांकि अंदरखाने बात निकल कर आई कि आजाद पार्टी के फैसले से खुश नहीं हैं। उन्हें इस बात का मलाल था कि कई जमीनी नेताओं को नजरअंदाज किया गया। आनंद शर्मा के इस्तीफे के पीछे वो बात महत्वपूर्ण मानी जा रही है जिसमें उन्होंने कहा है कि वह आत्मसम्मान से समझौता नहीं कर सकते। इसका मतलब साफ है कि वह किसी बात से असहज महसूस कर रहे थे। खैर, पहले से अपने कुनबे को एकजुट कर रखने की जद्दोजहद में लगी कांग्रेस के लिए अपने दो दिग्गजों की नाराजगी अच्छे संकेत नहीं हैं।

जाति व्यवस्था को पूरी तरह से खत्म करने की जरूरत: मीरा कुमार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

राजस्थान में कथित तौर पर पानी का मटका छूने को लेकर एक शिक्षक की पिटाई के बाद एक दलित छात्र की मौत को लेकर जारी आक्रोश के बीच कांग्रेस की दिग्गज नेता मीरा कुमार ने रविवार को जाति प्रथा को एक 'बीमारी' करार दिया। उन्होंने जाति प्रथा को पूरी तरह से खत्म करने और पूर्वाग्रह के खिलाफ 'कतई बर्दाश्त नहीं करने' की नीति अपनाने पर जोर दिया। साक्षात्कार में पूर्व केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि जाति आधारित अत्याचार की घटनाओं को लेकर इस बात में नहीं उलझना चाहिए कि यह किसके शासन में हुई या कौन-सा राजनीतिक दल इसके लिए जिम्मेदार है, क्योंकि इससे मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकता है कि जाति व्यवस्था समाप्त की जानी चाहिए।

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जाति प्रथा न तो कमजोर हुई है और न ही समाप्त हुई है। मीरा कुमार की यह टिप्पणी 20 जुलाई को राजस्थान के जालोर जिले के एक स्कूल में कथित रूप से पानी का मटका छूने को लेकर एक शिक्षक द्वारा दलित छात्र इंद्र कुमार (9) की पिटाई किए जाने के कुछ दिनों बाद आई है। अगस्त की शुरुआत में अहमदाबाद के एक अस्पताल में इलाज के दौरान छात्र की मौत हो गई थी। आरोपी शिक्षक छैल सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है। राजस्थान में सत्तारूढ़ कांग्रेस दलित छात्र की मौत को लेकर आलोचनाओं का सामना कर रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या दलितों पर अत्याचार रोकने के मामले में कांग्रेस सरकार की तरफ से कोई कमी है, मीरा कुमार ने कहा, 'मुझसे हर कोई इस बारे में पूछता है। ऐसा नहीं है कि मैं किसी का बचाव कर रही हूं या किसी पर आरोप लगा रही हूं। मैं सिर्फ इतना कहना चाहती हूं कि हां, राजनीतिक वर्ग कुछ हद तक जिम्मेदार है, लेकिन यह मुद्दा सामाजिक है और राजनीति समाज का प्रतिबिंब है।'

उन्होंने कहा, 'यह कहना कि शासन विशेष या पार्टी विशेष इसके लिए जिम्मेदार है और यह इस राज्य में हुआ है, ये आंकड़े हैं, अन्य राज्यों में आंकड़े अलग हैं, क्योंकि वहां अलग पार्टी की हुकूमत है, हमें वास्तव में इस सब में नहीं पड़ना चाहिए, क्योंकि इससे मुख्य मुद्दे से ध्यान भटकता है।' मीरा कुमार (77) ने कहा कि लोग जब राजनीतिक कोण के बारे में बात करना शुरू कर देते हैं तो इससे मुद्दे की अहमियत घट जाती है। पूर्व सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि हर बार जब कोई अत्याचार होता है तो वह इस बहस में उलझकर रह जाता है कि गलती किसकी है। जाति प्रथा के उन्मूलन पर आगे बढ़ने के तरीकों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि सामाजिक इच्छाशक्ति बेहद जरूरी है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

घूमने के बहाने झाड़ी में ले गए पांडेसरा के 45 वर्षीय पड़ोसी के खिलाफ पॉक्सो के तहत अपराध

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कोर्ट से घर लौटते समय, सचिन जीआईडीसी की महिला पब्लिक डिफेंडर ने देखा कि एक युवक 5 साल की बच्ची के साथ पांडेसरा प्राइम पॉइंट के पास एक सुनसान जगह पर के पास टहल रहा है। महिला लोक रक्षक ने वहां पहुंचकर युवक से पूछताछ की और बच्ची के साथ होने वाली अप्रिय घटना होने का शंक होने से मामला पांडेसरा पुलिस ने बच्ची की मां की शिकायत पर नरधाम को गिरफ्तार कर पोक्सो के तहत मामला दर्ज किया है.

पांडेसरा निवासी 5 साल की बच्ची को पड़ोस में रहने वाले 2 बच्चों के पिता 45 वर्षीय प्रमोदसिंह ने पंडेसरा प्राइम प्वाइंट के पास एक झाड़ी में ले जाकर,ले जाते समय।

जब प्रमोदसिंह वहां बच्ची के साथ मस्ती कर रहे थे तो पुलिसकर्मी को अपनी बहन के साथ मोपेड पर सवार देख महिला वहां गई. पूछताछ के बाद महिला पुलिस ने कंट्रोल में सूचना देकर पांडेसरा पुलिस को फोन किया कि आरोपी की हरकतों का खुलासा हो गया है. पुलिस ने अपराध दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

मैं महिला कैदी पार्टी को सचिन जीआईडीसी थाने से रिक्शे पर कोर्ट लेकर आया। शाम पांच बजे कोर्ट से महिलाओं को जमानत मिल गई। इसलिए मैं सचिन पारदी के घर आने के लिए अपने चचेरे भाई के साथ एक मोपेड पर बैठ गया। तो हम सीधे हाईवे से जाते हैं लेकिन गुरुवार की शाम को शायद भगवान ने मुझे बच्ची को बचाने के लिए भेजा था, हम बुड़िया चौकड़ी से पांडेसरा वडोद की ओर घर जा रहे थे। पांडेसरा प्राइम पॉइंट से कुछ ही दूरी पर एक लड़की बाइक पर बैठी थी और एक आदमी उसके बगल में सड़क किनारे झाड़ियों के पास खड़ा था. उसकी हरकत पर शक करते हुए मैंने मोपेड पार्क करने वाले से पूछा कि यह लड़की कौन है तो उसने कहा कि यह मेरी बेटी है। जब वह लड़की से पूछने से डरती थी, लेकिन पिता होने की बात करती थी, तो मैंने लड़की को बाइक से उतार दिया और शांति से समझाया,

उसने कहा 'हाँ चाचा मेरे साथ गंदा काम करते हैं ' ,फिर लड़के ने हाथ जोड़ लिया ' मुझे माफ़ कर दो, मेरे से भूले हो गई है,'

वह कहने लगा। मैंने कंट्रोल को सूचना दी और पुलिस को मौके पर बुलाया.

सुहानी वसावा (लोकरक्षक), सचिन जीआईडीसी
'मुझे लगा जैसे भगवान ने मुझे बच्चे को बचाने के लिए भेजा है'

गुजरात चुनाव से पहले भाजपा कोर समिति में फेरबदल, रूपाणी और पटेल शामिल

क्रांति समय,सूरत

गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा की कोर समिति ने बड़ा फेरबदल किया गया है। समिति में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, पूर्व उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल और पूर्व शिक्षामंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा समेत वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है। गुजरात चुनाव से पहले प्रदेश भाजपा पूरी तरह सक्रिय हो गई है। बीते दिन दो मंत्रियों के विभाग वापस लिए जाने के बाद अब कोर समिति में फेरबदल किया गया है। भाजपा की नई कोर समिति में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी, उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल, भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा के अलाव आरसी फलदु भारती शियाल और भरत बोधरा को शामिल किया

सूरत में लटके मिले मां-बेटे के शव, 3 साल के बेटे की हत्या के बाद मां ने की खुदकुशी की आशंका

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के वेडरोड इलाके में रहने वाले जंजमेरा परिवार की मां और तीन साल के बेटे की गला रेत कर हत्या कर दी गई. घटना की सूचना मिलते ही पूरे इलाके में मातम का माहौल देखने को मिल रहा है. जैसे ही घटना हुई कि प्रमुख दर्शन अपार्टमेंट में रहने वाले मां-बेटे ने आत्महत्या कर ली है, पुलिस ने जांच शुरूकर दी है। फिलहाल प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मां ने बेटे की हत्या कर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

जंजमेरा परिवार वेड रोड स्थित प्रमुख दर्शन अपार्टमेंट

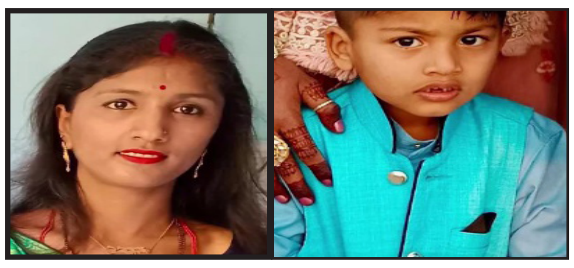

की चौथी मंजिल पर रहता था , जहां मां ने बेटे की हत्या के बाद आत्महत्या करने की आशंका जताई थी। मां और बेटे ने गला घोंटकर अपनी जान काट दी। घर में जिस तरह से लाशें मिलीं, उसके आधार पर प्राथमिक संदेह यह है कि मां ने भी अपने तीन साल के बेटे का गला घोंटकर आत्महत्या की है। चौक बाजार पुलिस को सूचना मिलते ही मामले की जांच शुरूकर दी गई है। प्रथम दृष्टया यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि जेनेटा ने अपने ही बच्चे की हत्या की और फिर आत्महत्या कर ली। चौक बाजार पुलिस के मुताबिक, योगिताबेन राकेशभाई जंजमेरा और उनके बेटे देवांश जंजमेरा के शव प्रमुख दर्शन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर लटके मिले। मां-बेटे के शवों को हटा लिया गया है और कानूनी कार्रवाई शुरूकर दी गई है।

उसके पति राकेश जंजमेरा का बयान लिया जा रहा है और जांच के साथ आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है.
प्रारंभिक तौर पर पता चला है कि उसने घर में ही आत्महत्या की है। अपने भाई-बहन और भतीजों को फांसी पर लटका देख दंग रह गए मृतक के एक रिश्तेदार ने बताया कि योगिताबेन के दो बेटे थे. घटना के समय सबसे पहले उसके भाई को पता चला। क्योंकि वह वहां पहुंच गया। कुछ कामों और बार-बार दस्तक देने के बावजूद दरवाजा नहीं खोला गया।

भाई पर शक करने पर भाई ने घर का दरवाजा तोड़ दिया। वह जैसे ही घर में दाखिल हुआ तो अपनी बहन और भतीजे को फांसी पर लटका देख दंग रह गया।

सूचना आयुक्तराहुल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुआ कार्यक्रम

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तओम प्रकाश रावत ने चुनाव सुधार पर 113 वें वेबिनार को किया संबोधित

पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेष गांधी एवं मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने भी किया संबोधित

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वैश्विक परिवेश में भारतीय चुनाव सुधार की स्थिति एवं सूचना के अधिकार विषय पर आयोजित ११३ वें राष्ट्रीय आरटीआई वेबीनार में भारत के पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त ओम प्रकाश रावत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए चुनावों की स्थिति और चुनाव सुधार पर बताया कि आज भारत विश्व में एक आदर्श डेमोक्रेसी के तौर पर माना जा रहा है जिसमें बेहतर और शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराए जाते हैं।

उन्होंने इलेक्टोरल बांड, राजनीतिक पार्टियों के सूचना के अधिकार के दायरे में आने एवं जनप्रतिनिधियों एवं अभ्यर्थियों के आपराधिक रिकॉर्ड चल अचल संपत्ति आदि के ब्योरे एवं चुनाव के दौरान इलेक्ट्रॉनिक तरीके से प्राप्त होने वाली शिकायतों और उस पर होने वाली त्वरित कार्यवाही आदि के विषय में भी अपने विचार विस्तार से रखें।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त राहुल सिंह, पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी एवं पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप सहित फोरम फॉर फास्ट जस्टिस के ट्रस्टी प्रवीण पटेल सहित अन्य पार्टिसिपेंट्स ने भी अपने विचार रखे।

वेबीनार में मध्य प्रदेश सूचना आयुक्त राहुल सिंह ने बताया कि उनके द्वारा त्रिस्तरीय पंचायती चुनावों में पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से पंचायत अभ्यर्थियों के चल अचल संपत्ति आपराधिक रिकॉर्ड एवं शपथ पत्र आदि की जानकारी सार्वजनिक करने के आदेश दिए गए थे लेकिन मध्य प्रदेश चुनाव आयोग सहित सामान्य प्रशासन विभाग ने इसे गंभीरता

से नहीं लिया।

इसके विषय में एक्टिविस्ट शिवानंद द्विवेदी के द्वारा जनहित याचिका भी हाई कोर्ट जबलपुर में दायर की गई है, जिसके बाद आनन-फानन में कार्यवाहीयों का दौर प्रारंभ हुआ है और यह समस्त जानकारी पब्लिक पोर्टल पर साझा की जा रही है। कार्यक्रम में पूर्व मध्य प्रदेश राज्य सूचना आयुक्त आत्मदीप ने भी चुनाव सुधारों के विषय में विस्तार से चर्चा की एवं राउंडटेबल डिस्कशन के दौरान पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ओम प्रकाश रावत से विभिन्न प्रकार के प्रश्न किए।

कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त शैलेश गांधी ने भी अनैतिक तरीके से जनप्रतिनिधियों के द्वारा झूठे वादे कर और झूठ बोलकर आम जनता को गुमराह करने के विषय में अपने विचार रखे और कहा कि इस प्रक्रिया पर रोक लगाई जानी चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान राजनीतिक पार्टियों को मिलने वाले चंदे और इलेक्टोरल बांड सहित पारदर्शिता के सवाल पर भी विस्तार से चर्चा हुई और विभिन्न प्रकार से पार्टिसिपेंट्स ने प्रश्न पूछे कि आखिर राजनीतिक दलों को आरटीआई के दायरे में लाने में क्या दिक्कत हो रही है।

कार्यक्रम का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी द्वारा किया गया जिसमें सहयोगियों में वरिष्ठ पत्रिका पत्रकार मृगेंद्र सिंह, अधिवक्ता नित्यानंद मिश्रा, शिवेंद्र मिश्रा और छत्तीसगढ़ से देवेंद्र अग्रवाल के साथ किया गया।